लखनऊ

बुधवार 18 जून 2025

वर्ष : 10 । अंक: 332

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

क्रोध से शुरू होने वाली हर बात, लज्जा पर समाप्त होती है। - बेंजामिन फ्रेंकलिन

TODAY WEATHER

DAY	NIGHT
37°	26°
Hi	Low

संक्षेप

तेहरान से 110 भारतीय छात्रों को बाहर निकाला, आर्मेनिया के रास्ते आएंगे दिल्ली

नईदिल्ली। इजरायल और ईरान में चल रहे युद्ध के बीच तेहरान से भारतीय छात्रों को निकालने के लिए भारत सरकार का पहला प्रयास सफल रहा। अभी तक 110 भारतीय छात्रों को आर्मेनिया सीमा के जरिए ईरान से बाहर निकाला गया है। इन्हें बुधवार को विमान के जरिए दिल्ली लाया जाएगा। सभी छात्र उर्मिया मेडिकल विश्वविद्यालय में पढ़ते हैं, जिसमें अधिकतर जम्मू-कश्मीर के हैं। ईरान-इजरायल में जारी तनाव के बीच यह भारत की पहली बड़ी निकासी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बयान जारी कर कहा, सुरक्षा कारणों से भारतीय दूतावास द्वारा की गई व्यवस्था के तहत तेहरान में भारतीय छात्रों को शहर से बाहर ले जाया गया है। कुछ भारतीयों को आर्मेनिया की सीमा के माध्यम से ईरान छोड़ने में मदद की गई है। दूतावास सभी संभव सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से समुदाय के साथ लगातार संपर्क में है। अस्थिर स्थिति को देखते हुए आगे भी परामर्श जारी किए जा सकते हैं। इससे पहले ईरान में भारतीय दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट साझा कर तेहरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के व्यक्तियों (पीआईओ) को सलाह दी थी। दूतावास ने पोस्ट में कहा था, सभी भारतीय नागरिकों और पीआईओ को, जो अपने स्वयं के संसाधनों का उपयोग करके तेहरान से बाहर जा सकते हैं, शहर के बाहर सुरक्षित स्थान पर चले जाने की सलाह दी जाती है। बता दें कि तेहरान में बमबारी जारी है।

सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आ रहा एयर इंडिया विमान का इंजन खराब, कोलकाता में रोका गया

नईदिल्ली। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से मुंबई शहर के लिए उड़ान भरने वाले एयर इंडिया एआई-180 (बोइंग 777-200एलआर) विमान को तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उसे कोलकाता उतारा गया। विमान ने सैन फ्रांसिस्को से अपने निर्धारित समय से उड़ान भरी थी, जिसके बाद उसे सोमवार आधी रात 12:45 बजे कोलकाता उतरना था और मंगलवार तड़के 2 बजे मुंबई के लिए रवाना होना था। तभी विमान के बाएं इंजन में तकनीकी खराबी का पता चला। इसके बाद विमान में यात्रियों को बैठा लिया गया था, लेकिन इंजन में खराबी का पता चलते ही सुबह करीब 5:20 बजे विमान में घोषणा कर सभी यात्रियों को वापस विमान से उतरने के लिए कहा गया। यात्री रात से सुबह तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस हवाई अड्डे पर ही इंतजार करते रहे।
एयरलाइंस की ओर से बताया गया कि यह कदम यात्रियों और उड़ान की सुरक्षा को देखते हुए उठाया गया है। सोमवार को हांगकांग से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाला एयर इंडिया ड्रीमलाइनर (एआई-315) को तकनीकी समस्या के आधे रास्ते से ही लौटना पड़ा था। यह वही 787-7 ड्रीमलाइनर विमान था, जो अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, जिसमें 270 लोग मारे गए थे। इसके अलावा लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे से चेन्नई आने वाली ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट (बीए-35) को भी तकनीकी खराबी के कारण वापस लौटना पड़ा था। ये भी बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर थी।

हाथों में जैकेट, गले में शॉल, कनाडा में मोदी का भौकाल

खालिस्तानियों के गढ़ में भारत के प्रधानमंत्री का ये रौद्र रूप देखा आपने?

नई दिल्ली, एजेंसी। एक तरफ जहां जी7 देशों का शिकर सम्मेलन कनाडा में हो रहा है। जहां दुनियाभर के बड़े नेताओं का जमावड़ा हो रहा है। वहीं दूसरी तरफ चरमपंथियों का फेवरेट डिस्टिनेशन बन चुके कनाडा की सड़कों पर खालिस्तानी भारत विरोधी गतिविधियां करते नजर आ रहे हैं। वो पीएम मोदी को धमकी देते और भारत विरोधी रैली निकाल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान जब कनाडा के रॉकीज में स्थित रिसॉर्ट कनानास्किस में जी7 नेताओं के शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में भाग लेने के लिए कैलगरी में लैंड किया। मोदी का कैलगरी हवाई अड्डे पर औपचारिक स्वागत किया गया। भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त चिन्मय नाइक भी उनका स्वागत करने वालों में शामिल थे। इस दौरान वहां से आई तस्वीरों ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। पीएम मोदी जब कनाडा में अपने प्लेन से नीचे उतरते हैं तो उनके हाथों में जैकेट और गले में शॉल नजर आता है। इस दौरान वो उन्हें रिसीव करने आए लोगों से अभिवादन करते नजर आते हैं। खालिस्तानी चरमपंथियों की धमकी और खुलेआम भारत विरोधी रैली के बाद कनाडा की जमीन पर पीएम मोदी का अलग ही स्वैग नजर आता है।

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार शाम को यहां पहुंचे और यह एक दशक में मोदी की कनाडा की पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री इस दौरान विश्व के नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे और ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी तथा नवाचार सहित महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मोदी ने एक पोस्ट में कहा कि शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा के कैलगरी पहुंच गया हूं। शिखर सम्मेलन में विभिन्न नेताओं से मुलाकात करूंगा और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा करूंगा। ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर भी जोर दूंगा। ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

पीएम मोदी के इस समिट में शामिल होने से जहां एक तरफ पाकिस्तान को एक तरफ मिर्ची लग रही है तो वहीं दूसरी तरफ खालिस्तानी भी बौखला गए हैं। इसलिए उन्होंने पीएम मोदी को धमकी दी है। इतना ही नहीं पीएम मोदी के दौरे के बीच खालिस्तानियों ने रोड शो भी निकाल लिया और जमकर देश विरोधी नारे लगाए। खालिस्तानी चरमपंथी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ़ प्रदर्शन करने के लिए अल्बर्टा के कनानास्किस में एकत्र हुए।

कनाडाई पत्रकार डैनियल बोर्डमैन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से पहले, कैलगरी में खालिस्तानी अलगाववादियों के एक समूह ने मोदी विरोधी प्रदर्शन किया, जिसमें कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मोदी राजनीति को खत्म करने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भारत की राजनीति को खत्म करने का आह्वान किया गया। बोर्डमैन ने इस यात्रा को घरेलू राजनीति, व्यापार और देश के चरमपंथ से निपटने के लिए निहितार्थ के साथ एक "महत्वपूर्ण" विकास के रूप में वर्णित किया। बोर्डमैन ने कहा कि खालिस्तान आंदोलन भारत-कनाडा संबंधों में एक बड़ी बाधा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कनाडा में सक्रिय सिख अलगाववादी समूहों के प्रति कनाडा की नरमी, जिन्हें कथित तौर पर पाकिस्तान द्वारा वित्त पोषित किया जाता है, को भारत द्वारा आतंकवाद और बाल्कनीकरण के समर्थन के रूप में देखा जाता है।

हम क्यों अपने धैर्य के हिमखंडों को पिघलाएं, दल राजनीति का तापमान कम करें

पुडुचेरी यूनिवर्सिटी में बोले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि सनातन गर्व फिर से पुनर्निर्मित हो रहा है। मंगलवार को पुडुचेरी विश्वविद्यालय में छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि जो खो गया था, उसे अब और भी मजबूत संकल्प के साथ फिर से बनाया जा रहा है। इसके साथ-साथ उन्होंने राजनीतिक दलों को सलाह देते हुए कहा कि पार्टियों को राजनीति का तापमान कम करना चाहिए। भाषाओं के आधार पर हम कैसे बंट सकते हैं? हमारी भाषाएं समावेशिता की प्रतीक हैं।

उन्होंने कहा कि भारत की शैक्षणिक भूगोल और इतिहास, तक्षशिला, नालंदा, मिथिला, वल्लभी जैसे महान शिक्षा केंद्रों से सजे हुए थे। उस कालखंड में इन संस्थानों ने दुनिया के सामने भारत को परिभाषित किया। दुनिया भर के विद्वान यहां ज्ञान साझा करने और भारतीय दर्शन को समझने आते थे। परंतु, कुछ तो गलत हुआ। नालंदा की नौ मंजिला पुस्तकालय के बारे में सोचिए, 1300 साल पहले धर्मगंज नामक वह पुस्तकालय खगोलशास्त्र, गणित और दर्शनशास्त्र के समृद्ध ग्रंथों से भरा था। दो चरणों की आक्रमण लहरों में पहले इस्लामी आक्रमण और फिर ब्रिटिश उपनिवेशवाद भारत की ज्ञान परंपरा को गहरी चोट पहुंची।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि लगभग 1190 के आसपास बख्तियार खिलजी ने अमानवीयता और बर्बरता का प्रदर्शन किया। उसने सिर्फ किताबें नहीं जलाईं, बल्कि भिक्षुओं की हत्या की, स्तूपों को नष्ट किया और भारत की आत्मा को रौंदने का प्रयास किया, यह जाने बिना कि भारत की आत्मा अविनाशी है। आग कई महीनों तक जलती रही। नौ लाख ग्रंथ और पांडुलिपियां जलकर भस्म हो गईं। नालंदा केवल एक विचार का केंद्र नहीं था, वह मानवता के लिए ज्ञान का जीवंत मंदिर था।

राजनीतिक संवाद और संयम पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि मित्रों, हमें राष्ट्रीय मानसिकता में भी बदलाव लाने की आवश्यकता है। राजनीतिक व्यवस्था की बात करें तो हम केवल मतभेद के लिए मतभेद करते हैं, समाधान के लिए नहीं। किसी और के द्वारा दी गई अच्छी बात भी हमें तभी गलत लगती है क्योंकि वह हमारे विचार से नहीं आई। यह हमारे वेदांत के अनंतवाद की भावना के विपरीत है। हमें अभिव्यक्ति, वाद-विवाद और संवाद की दिशा में बढ़ना होगा। हम राजनीतिक तापमान बढ़ाने को आतुर हो गए हैं।

उपराष्ट्रपति बोले- टकराव की कोई जगह नहीं होनी चाहिए

जलवायु परिवर्तन तो वैसे भी तापमान बढ़ा ही रहा है। फिर हम क्यों अपने धैर्य के हिमखंडों को पिघलाएं? क्यों अधीर होकर अपनी सभ्यतागत और आध्यात्मिक आत्मा से दूर जाएं? मैं सभी राजनीतिक नेताओं से अपील करता हूं। राजनीति का तापमान घटाएं। टकराव की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। संविधान सभा ने हमें विघटन और अवरोध का रास्ता नहीं सिखाया है। आज जब भारत उन्नति के मार्ग पर है और सारी दुनिया हमारी ओर देख रही है, ऐसे में हमें राष्ट्रीय हित और विकास की भावना से संवाद करना होगा।

शिक्षा के बाजारीकरण पर चिंता व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, एक समय था जब शिक्षा और स्वास्थ्य को समाज सेवा का माध्यम माना जाता था। जिनके पास संसाधन होते थे, वे समाज को लौटाने के लिए इन क्षेत्रों में योगदान देते थे, लाभ के लिए नहीं। यह हमारी प्राचीन परंपरा थी। आज शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती वाणिज्यिक सोच के चलते हमें मूल्यों की ओर लौटना होगा। हमारी शिक्षा व्यवस्था भारत के पारंपरिक गुरुकुल मॉडल से प्रेरित होनी चाहिए, जिसे भारतीय संविधान की 22 लघु चित्रों में स्थान मिला है। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति नहीं है, उसमें चरित्र निर्माण भी होना चाहिए। आज जो वाणिज्यिक मॉडल उभर रहा है, वह शिक्षा को सेवा के स्वरूप से दूर कर रहा है। मैं कॉरपोरेट जगत से अपील करता हूं, मानसिकता में बदलाव लाएं। भारत हमेशा से परोपकार की भूमि रहा है। अपने CSR संसाधनों को समाहित कर ग्लोबल उत्कृष्टता के संस्थान बनाएं जो बैलेंस शीट से परे सोचें।

एक छोटा प्रयास बड़ी उपलब्धि बन सकता है

पूर्व छात्रों के योगदान की महत्ता पर बल देते हुए उन्होंने कहा, अगर आप दुनिया के विकसित लोकतंत्रों को देखें तो पाएंगे कि वहां विश्वविद्यालयों के एंडोमेंट फंड अरबों डॉलर में हैं। एक विश्वविद्यालय का फंड 50 अरब डॉलर से अधिक है। माननीय कुलपति जी, शुरुआत कीजिए। इस विश्वविद्यालय के हर पूर्व छात्र से अपील करें कि वे इसमें योगदान दें। बच्चों, राशि का आकार महत्वपूर्ण नहीं है। भावना महत्वपूर्ण है। वर्षों में इसका प्रभाव आप देखेंगे न केवल फंड बढ़ेगा, बल्कि पूर्व छात्रों में अपने संस्थान के प्रति लगाव भी गहराएगा। यह एक छोटा कदम हो सकता है, लेकिन जैसे नील आर्मस्ट्रांग ने चंद्रमा पर कदम रखते हुए कहा था। यह एक छोटा कदम है, पर मानवता के लिए एक विशाल छलांग। वैसे ही यह एक छोटा प्रयास बड़ी उपलब्धि बन सकता है।

हम भाषाओं के आधार पर कैसे बंट सकते हैं? बोले उपराष्ट्रपति

भारतीय भाषाओं की समावेशिता पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हम भाषाओं के आधार पर कैसे बंट सकते हैं? कोई देश भारत जितना भाषाई समृद्ध नहीं है। संस्कृत आज वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण है। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओड़िया, मराठी, पाली, प्राकृत, बंगाली, असमिया, ये 11 भाषाएं हमारी शास्त्रीय भाषाएं हैं। संसद में 22 भाषाओं में सदस्य संवाद कर सकते हैं। बच्चों, हमारी भाषाएं समावेशिता की प्रतीक हैं। सनातन धर्म हमें साथ रहने की, एकत्व की शिक्षा देता है। तो फिर यह समावेशिता कैसे विभाजन का कारण बन सकती है? मैं सभी से अपील करता हूं आत्मचिंतन करें, गौरवमई अतीत को देखें, बच्चों का भविष्य सोचें और इस तूफान से ऊपर उठें।

पिछली सरकार के समय सरकारी नौकरियों की होती थी नीलामी, सपा पर सीएम योगी का आरोप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य में सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रिया में पूरी तरह से बदलाव किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछली समाजवादी पार्टी सरकार के समय इन नौकरियों की नीलामी की जाती थी। अंबेडकर नगर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकार के समय 2017 से पहले यहां सरकारी नौकरियों की नीलामी की जाती थी। इस काम में एक परिवार की बड़ी भूमिका थी। पूरा प्रदेश इस नाटक को देख रहा था। लेकिन अब योग्यता के आधार पर युवाओं को नौकरी मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने 1,184 करोड़ रुपये की 194 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना' के तहत वितरित की जा रही 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से कुल 11,690 किसान परिवार लाभान्वित होंगे। इस वर्ष आपदाओं से प्रभावित सभी किसान परिवारों को यूपी सरकार की ओर से 5-5 लाख रुपये की प्रतीकात्मक सहायता मिलेगी। आज यह राशि ऐसे सभी 431 परिवारों के बैंक खातों में सीधे हस्तांतरित की जाएगी।

इससे पहले रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश पुलिस के 60,244 सिविल पुलिस कांस्टेबलों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। अपने संबोधन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज 60 हजार से अधिक युवा भारत के सबसे बड़े पुलिस बल का अभिन्न अंग बनने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस पूरे देश का सबसे बड़ा पुलिस बल है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो रही थी।

भाजपा सांसद ने कहा- हम दिल्ली को लंदन-पेरिस नहीं बना सकते

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने मंगलवार को कहा कि वे दिल्ली को लंदन और पेरिस नहीं बना सकते। दिल्लीवासियों को सबसे बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास अवश्य किया जाएगा। पिछली केजरीवाल सरकार ने दिल्ली को लंदन-पेरिस बनाने का झूठा दावा किया था, लेकिन बाद भी दिल्ली जगह-जगह पर डूबती दिखाई पड़ी। दिल्ली में भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार बनने के साथ ही दिल्ली को बेहतर बनाने का काम शुरू किया जा चुका है और इसे लगातार आगे बढ़ाया जाएगा।

सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भी भाजपा की सरकार बनेगी और पूरे देश में सबको आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा। जिस तरह केजरीवाल सरकार के पतन के बाद ही दिल्ली के लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ मिला, उसी तरह ममता बनर्जी की सरकार के जाने के बाद ही पश्चिम बंगाल की जनता को आयुष्मान योजना का लाभ मिल पाएगा। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली से भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि आज ही दिल्ली सरकार ने 33 आरोग्य मंदिरों की शुरुआत कर लोगों को उनके घर के नजदीक मुफ्त चिकित्सा सुविधा देने की शुरुआत कर दी है। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता शुभेंदु शेखर अवस्थी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने अपने कार्यों के माध्यम से बड़ा परिवर्तन करने का कार्य किया है। यह बदलाव देश के हर हिस्से में, कश्मीर और दिल्ली से लेकर कन्याकुमारी तक दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इसी पांच वर्ष में दिल्ली में बड़े बदलाव दिखाई देंगे। सरकार प्रदूषण के विरुद्ध बड़ा अभियान शुरू कर चुकी है।

भाजपा के साथ गए अवसरवादियों के लिए एनसीपी में कोई जगह नहीं...शरद पवार का ऐलान

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवड़ में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के प्रमुख शरद पवार ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (BJP) के साथ गए लोगों को अवसरवादी करार देते हुए साफ कहा कि ऐसे लोगों को NCP में जगह नहीं मिलेगी। पवार ने कहा कि 'हम सबको साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम उन लोगों को साथ लेंगे जो भाजपा के साथ चले गए। जो अवसरवादी हैं, उनके साथ हम नहीं चल सकते हैं।'

शरद पवार ने अपने संबोधन में गांधी, नेहरू, फुले, शाहू और अंबेडकर के विचारों को अपनाने वालों का स्वागत करने की बात कही। उन्होंने जोर देकर कहा कि जो लोग इन मूल्यों और विचारधारा के साथ हैं। उन्हें पार्टी में पूरा सम्मान दिया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं को आगामी नगर निगम चुनावों के लिए तैयार रहने का आह्वान भी किया।

चुनाव की चिंता मत करो: शरद पवार

पवार ने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि अगर कोई उनके विचारों के साथ जुड़कर पार्टी में आता है, तो वरिष्ठ नेता उनके योगदान पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि 'चुनाव की चिंता मत करो। जो हमारे साथ आएगा और हमारे विचारों से जुड़ा रहेगा। उसे पूरा मौका मिलेगा। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि नगर निगम चुनाव में आपको किसी बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है।'

पार्टी विचारधारा को प्राथमिकता देगी, न कि अवसरवादियों को: शरद पवार

शरद पवार का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब दोनों राष्ट्रवादी पार्टियों (NCP और NCP-SP) के एकजुट होने की चर्चाएं जोरों पर हैं। पवार ने साफ किया कि उनकी पार्टी विचारधारा को प्राथमिकता देगी, न कि अवसरवाद को। यह बयान भाजपा और उसके सहयोगियों के लिए एक साफ संदेश माना जा रहा है कि पवार किसी प्रकार के गठबंधन के लिए तैयार नहीं हैं।

क्यों पड़ी थी पार्टी में फूट?

पार्टी के 26वें स्थापना दिवस पर अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) ने मंगलवार को कहा था कि 'प्रतिद्वंद्वी गुटों के फिर से एक साथ आने का कोई प्रस्ताव नहीं है।' जबकि राकांपा (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने भी हाल में चर्चा का विषय रहे इस मुद्दे पर कोई बयान देने से परहेज किया था। शरद पवार की तरफ से 26 साल पहले बनाई गई राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी 2023 में दो धरों में बंट गई थी। जब उनके भतीजे अजित पवार ने पार्टी से अपना रूख अलग कर लिया था। ऐसा उन्होनें महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के दौरान किया था। तब वे भाजपा-शिवसेना के साथ गठबंधन में शामिल हो गए थे।

अहमदाबाद-लंदन एयर इंडिया उड़ान तकनीकी खराबी के कारण रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद से लंदन के लिए रवाना होने वाली एयर इंडिया की उड़ान को मंगलवार को तकनीकी खराबी के कारण रद्द कर दिया गया।

एयर इंडिया उड़ान एआई-159 मंगलवार को नई दिल्ली से अहमदाबाद आई थी, जिसके बाद इसे 1:10 बजे लंदन के लिए उड़ान भरनी थी।

यह दूसरी बार है, जब लंदन की एयर इंडिया उड़ान में खराबी आई है। इससे पहले 12 जून को एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो चुका है, जिसमें 274 की जान गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अहमदाबाद-लंदन मार्ग पर उड़ान भरने वाला विमान भी बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर है। यह वही मॉडल है, जो 12 जून को एयर इंडिया दुर्घटना में शामिल था। इस मार्ग पर उड़ान एआई-171 की जगह एआई-159 कर दी गई है।

मंगलवार को सुबह खबर आई कि सैन फ्रांसिस्को-मुंबई एयर इंडिया की उड़ान को कोलकाता उतारने के बाद बाएं इंजन में तकनीकी खराबी का पता चला। इसके कारण यात्रियों को विमान से उतार दिया गया और करीब 3 घंटे तक समस्या पर काम किया गया।

सोमवार को दिल्ली-रांची एयर इंडिया एक्सप्रेस उड़ान को तकनीकी समस्या के कारण दिल्ली लाया गया था। इससे पहले बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर की हांगकांग-दिल्ली एयर इंडिया एआई-315 उड़ान तकनीकी समस्या के कारण वापस हांगकांग लौट गया।

केरल के कोच्चि से दिल्ली आ रही इंडिगो की उड़ान को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद महाराष्ट्र के नागपुर में आपातकालीन स्थिति में उतारा गया।

अतिक्रमण पर चला बुलडोजर... लाकड़ी फाजलपुर में 400 वर्ग मीटर तालाब की भूमि कराई कब्जामुक्त

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मुरादाबाद। महानगर में तहसील प्रशासन और नगर निगम प्रवर्तन दल की ओर जमीन कब्जामुक्त कराने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को तहसील प्रशासन और प्रवर्तन दल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए लाकड़ी फाजलपुर में 400 वर्ग मीटर तालाब की जमीन कब्जामुक्त कराई। वहीं, प्रवर्तन दल की टीम ने अस्थाई अतिक्रमण हटाते हुए दो ट्राली सामान जब्त किया। लाकड़ी फाजलपुर सेक्टर नौ बी में तहसील प्रशासन की टीम ने सोमवार सुबह तालाब की जमीन चिन्हित की थी। नायब तहसीलदार रामवीर सिंह ने बताया कि इस जमीन पर कई लोगों ने कब्जा कर रखा था। कुछ लोगों ने आगे नींव रखकर मकान बना लिए। वहीं, कुछ लोगों ने नींव भर ली थी।

जिसके बाद सोमवार दोपहर बाद तहसील और प्रवर्तल दल की टीम ने कार्रवाई करते हुए जेसीबी से नींव तोड़ने की कार्रवाई की गई। साथ ही तालाब की 400 वर्ग मीटर जमीन कब्जामुक्त कराई।

प्रवर्तन दल से सिविल लाइन और दिल्ली रोड पर की कार्रवाई

उधर, नगर निगम मुरादाबाद द्वारा सार्वजनिक साइड पटरी (फुटपाथ) को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए सघन अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को नगर निगम प्रवर्तन दल द्वारा दिल्ली रोड, कांठ रोड, सिविल लाइन में जिला अस्पताल और कचहरी रोड एवं स्मार्ट रोड नेटवर्क पर बने फुटपाथ पर अवैध रूप से रहेड़ी-पटरी लगाकर कब्जा जमाने एवं गंदगी फैलाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की गई।

दिल्ली रोड पर टीम ने लोकोशेड पुल से लेकर गागन तिराहे तक कार्रवाई की।अतिक्रमण कर रहे दुकानदारों का दो ट्राली सामान जब्त करने की कार्रवाई की गई है। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने निर्देश दिए कि जब्त सामान केवल उन्हीं व्यक्तियों को लौटाया जाएगा। जो, अतिक्रमण शुल्क जमा करेंगे और भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न करने का लिखित शपथ-पत्र देंगे। नगर निगम मुरादाबाद का प्रयास है कि पैदल चलने वालों के लिए सुगम मार्ग उपलब्ध कराया जाए। साथ ही शहर की सफाई, व्यवस्था और सौंदर्य बरकरार रहे।

रामगंगा विहार में हटाया अतिक्रमण

नगर निगम प्रवर्तन दल की टीम ने सोमवार देर शाम रामगंगा विहार में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। टीम ने सड़क पर चाट ठेला लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। प्रवर्तन दल की टीम ने अतिक्रमण कर रहे ठेलों को जब्त किया। साथ ही दोबारा सड़क पर अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत भी दी। अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार ने बताया कि रामगंगा विहार में अतिक्रमण हटाने के खिलाफ कार्रवाई की गई। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

दिल्ली रोड पर टीम ने लोकोशेड पुल से लेकर गागन तिराहे तक कार्रवाई की।अतिक्रमण कर रहे दुकानदारों का दो ट्राली सामान जब्त करने की कार्रवाई की गई है। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने निर्देश दिए कि जब्त सामान केवल उन्हीं व्यक्तियों को लौटाया जाएगा। जो, अतिक्रमण शुल्क जमा करेंगे और भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न करने का लिखित शपथ-पत्र देंगे। नगर निगम मुरादाबाद का प्रयास है कि पैदल चलने वालों के लिए सुगम मार्ग उपलब्ध कराया जाए। साथ ही शहर की सफाई, व्यवस्था और सौंदर्य बरकरार रहे।

रामगंगा विहार में हटाया अतिक्रमण

नगर निगम प्रवर्तन दल की टीम ने सोमवार देर शाम रामगंगा विहार में अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया। टीम ने सड़क पर चाट ठेला लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। प्रवर्तन दल की टीम ने अतिक्रमण कर रहे ठेलों को जब्त किया। साथ ही दोबारा सड़क पर अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत भी दी। अपर नगर आयुक्त अजीत कुमार ने बताया कि रामगंगा विहार में अतिक्रमण हटाने के खिलाफ कार्रवाई की गई। आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

ताबड़तोड़ छापे में लहन, नकली शराब व भट्ठिया की गई नष्ट

सुलतानपुर। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक की सख्ती के चलते अवैध शराब माफियाओं के विरूद्ध जंग जारी है,उप आबकारी आयुक्त के निर्देश और जिला आबकारी अधिकारी राजेश कुमार तिवारी के नेत्तृव में क्षेत्र-1 के निरीक्षक संजय कुमार मिश्रा की ताबड़तोड़ कार्यवाही में बल्लीपुर, पांचोपीरन बकरामंडी, बसौडी, अंगनाकोल आदि स्थानों पर 87 लीटर अवैध शराब, 750 किलो लहन, शराब की भट्ठिया एवं उपकरण को नष्ट करते हुएं मौके से चार लोगों को गिरफ्तार किया। जिसमें श्रीराम निषाद को थाना गोसाईगंज के सुपुर्द करते हुए जेल भेजने की कार्यवाही की। निरीक्षक संजय कुमार मिश्र मय हमराही संकेत राय, ओमवीर, अंकित शर्मा के साथ क्षेत्र-1 के कबाड़ियों आर ओ प्लांट को भी चेक किया। निरीक्षक श्री मिश्र ने लांइसेंसी दुकानों की भी जांच की। लांइसेंसियों के यहां बोतल, पौवा व बीयर की बोतलो पर लगे क्यूआर कोड को स्कैन किया।

आईएएस की नौकरी दिलाने के नाम पर 38 लाख की ठगी

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। आईएएस की नौकरी दिलाने का झांसा देकर 38 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। एसपी ने शिकायत की जांच कराकर करीब दस दिन बाद नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।

मामला कोतवाली नगर के लक्ष्मणपुर मोहल्ले के निवासी प्रांजल त्रिपाठी ने आईएएस की परीक्षा का ई एडमिट कार्ड देने, इंटरव्यू शैडयूल व ज्वाइनिंग लेटर आदि देने का आरोप थाना कूरेभार के पिपरी साईं नाथपुर निवासी प्रणव दुबे व इनके पिता अधिवक्ता बजरंग द्विवेदी, मनीष दुबे, आशीष दुबे, राज मिश्रा, श्रेयांश अग्रहरि व पराग डेयरी विकास भवन के दीपक पटेल पर लगाया था। सभी कागजात कूट रचित नकली थे। नौकरी के एवज में करीब 38 लाख रु आनलाइन खाते में लिए जाने की बात पीड़ति ने कही थी।

जिस पर एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने विस्तृत जांच कराई। विदित रहे मुख्य आरोपी बजरंग द्विवेदी अधिवक्ता होने के साथ ही बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी के सदस्य व दो दो बैंको के विधिक सलाहकार है। आगे गहनता से जांच हुई तो इन आरोपियों के और भी कारनामे सामने आ सकते है। आरोपों की पुष्टि होने पर सीओ नगर प्रशांत सिंह ने नगर कोतवाल को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया।

तहरीर के अनुसार नगर कोतवाल धीरज कुमार ने सभी आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने और धमकी देने समेत कई गंभीर धाराओ में मुकदमा दर्ज कर लिया गया हैं। नगर कोतवाल धीरज कुमार ने मुकदमा दर्ज होने की पुष्टि की है। आरोपियों की तलाश सरगर्मी से की जा रही है।

अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि कोतवाली नगर में एक व्यक्ति की तहरीर पर आईएएस बनाने के नाम पर 38 लाख की ठगी का मुकदमा दर्ज हुआ है। इसमें विवेचना प्रचलित है। प्रथम दृश्या मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। बाकी इसमें जो भी साक्षय मिलेंगे उसके हिसाब से कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा है कि कोई गिरोह शामिल है ऐसा प्रतीत हो रहा है।

मिट्टी खनन में वांछित इनामी चांदी कारोबारी गिरफ्तार, मकान गिरने से हुई थीं 3 मौतें

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। माया टीले पर मिट्टी का अवैध खनन कर तीन निर्दोष लोगों की जान लेने का आरोपित 25 हजार का इनामी चांदी कारोबारी सुनील गुप्ता उर्फ सुनील चैन को गोविंद नगर पुलिस ने मंगलवार सुबह 11.40 बजे बिरला मंदिर क्षेत्र से उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वह भागने की फिराक में था। पप्पू ठेकेदार को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें दो दिन से जुटी हुई थी।

गोविंद नगर थाना क्षेत्र के वार्ड 59 में बैरागपुरा स्थित माया टीला के पास बड़ी भूमि पर चांदी कारोबारी सुनील गुप्ता उर्फ सुनील चैन अपने साथियों की पार्टनरशिप में वाहनों की पार्किंग चलाता है। यहां पर धीरे-धीरे टीले की मिट्टी खोदाई करके भूमि को समतल करके बाउंड्रीवाल की जा रही थी।

मकान गिरने से तीन की मौत के बाद किया था एसएसपी ने इनाम घोषित

रविवार को यहां रहने वाले तोताराम, दो सगी बहन काव्या और युवानी की मकान गिरने से मृत्यु हो गई। घटना के बाद से ही सुनील फरार था और उसका मोबाइल भी बंद था। मृतक तोताराम के भाई हेमंत ने सुनील और उसके साथियों के विरुद्ध रिपोर्ट लिखाई है।

आरोपित की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी श्लोक कुमार ने एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह व सीओ सिटी भूषण वर्मा के पर्यवेक्षण में दो-दो टीमें गठित कीं। टीमों ने दो दिन तक दो दर्जन से अधिक संदिग्ध स्थानों पर दबिश दीं, लेकिन चांदी कारोबारी का सुराग नहीं लगा।

छह संदिग्धों को लेकर की थी पूछताछ

एसएसपी ने चांदी कारोबारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया। पुलिस छह संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। इसके बाद पुलिस को आरोपित के कुछ इनपुट मिले। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि मंगलवार सुबह 11.40 बजे बिरला मंदिर क्षेत्र से आरोपित चांदी कारोबारी सुनील गुप्ता उर्फ सुनील चेन को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपित यहां से भागने की फिराक में था।

आरोपित की गिरफ्तारी के लिए एसएसपी श्लोक कुमार ने एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह व सीओ सिटी भूषण वर्मा के पर्यवेक्षण में दो-दो टीमें गठित कीं। टीमों ने दो दिन तक दो दर्जन से अधिक संदिग्ध स्थानों पर दबिश दीं, लेकिन चांदी कारोबारी का सुराग नहीं लगा।

छह संदिग्धों को लेकर की थी पूछताछ

एसएसपी ने चांदी कारोबारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया। पुलिस छह संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। इसके बाद पुलिस को आरोपित के कुछ इनपुट मिले। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि मंगलवार सुबह 11.40 बजे बिरला मंदिर क्षेत्र से आरोपित चांदी कारोबारी सुनील गुप्ता उर्फ सुनील चेन को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपित यहां से भागने की फिराक में था।

प्रेमी के साथ होटल में थी महिला, शक होने पर आ गए घरवाले, पुलिस को बुलाते ही दोनों ने कर दी ऐसी हरकत... मच गई खलबली

आर्यावर्त संवाददाता

बड़ौत। पति के साथ विवाद के चलते काउंसिलिंग से लौट रही एक महिला बीच रास्ते में प्रेमी के साथ बाइक पर सवार होकर शहर के छपरौली रोड स्थित एक होटल में पहुंची। इस बात की भनक लगने पर महिला के ससुराल वालों ने मौके पर पुलिस को बुला लिया।

यह देख महिला और उसका प्रेमी ने होटल के पीछे छत से कूदकर फरार होने का प्रयास किया। लोगों ने प्रेमी को तो पकड़ लिया जबकि प्रेमिका वहां से चली गई। पुलिस आरोपित युवक और होटल संचालक से पूछताछ कर रही है। वहीं, महिला के पति ने इस मामले में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

तुगाना गांव की एक युवती की शादी 2019 में ककोर गांव के एक युवक के साथ हुई थी। दोनों को एक बेटा भी हुआ। महिला के पति का आरोप है कि उसकी पत्नी के शादी से पहले ही कई लोगों से संबंध थे जो उसे बाद में पता चले। इसका विरोध करने पर उसकी पत्नी उसे जान से मारने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देती थी।

21 मई को उसकी पत्नी व सास ने अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उसके व उसके स्वजन के साथ मारपीट भी की थी। उसने छपरौली थाने पर इस मामले की शिकायत की थी। इस संबंध में उसकी पत्नी और उसके बीच एसपी कार्यालय पर महिला सेल में काउंसिलिंग चल रही है। सोमवार को तीसरी काउंसिलिंग थी। वह अपने भाई के साथ काउंसिलिंग के लिए गया था, जहां पर उसकी पत्नी भी आई थी।

पीड़ित युवक ने बताया कि वह नौकरी की तलाश में संभल जाने के लिए बागपत से ही बस में सवार हो गया, जबकि उसकी पत्नी गांव जाने के लिए बागपत से बड़ौत के लिए बस में बैठ गई। युवक ने बताया कि उसका भाई भी गांव जा रहा था। बड़ौत दिल्ली बस स्टैंड पर बस से उतरते ही अपने प्रेमी की बाइक पर बैठ गई।

यह उसके भाई ने देख लिया। उसके बाद उसकी पत्नी अपने प्रेमी के साथ शहर के छपरौली रोड स्थित होटल में चली गई। यह देख उसके भाई ने डायल 112 पर काल कर पुलिस को बुला लिया और उसे भी घटना की सूचना दी। इस बात की भनक जैसे ही उसकी पत्नी व प्रेमी को लगी तो दोनों होटल के पीछे छत से कूद गए।

उसकी पत्नी वहां से चली गई जबकि आरोपित युवक को लोगों ने पकड़कर पुलिस के सिपुर्द कर दिया। पुलिस आरोपित युवक को कोतवाली ले गई। इंस्पेक्टर मनोज कुमार चहल ने बताया कि पति पत्नी के बीच विवाद चल रहा है। युवक की पत्नी अपने प्रेमी के साथ छपरौली रोड पर होटल में चली गई थी।

सीएम उद्यमी योजना के तहत बिना ब्याज के ऑटो लोन का वितरण

सुलतानपुर। आरडीएस ऑटोमोबाइल अमहट सुल्तानपुर में मंगलवार को उत्तर प्रदेश सीएम उद्यमी योजना के तहत बिना ब्याज के ऑटो लोन वितरित किया गया। क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार झा ने तीन उद्यमियों को चाबी देकर इस योजना के तहत बिना ब्याज के ऑटो लोन प्रदान किया।

मुख्य अतिथि': क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार झा ने बताया कि उत्तर प्रदेश सीएम उद्यमी योजना इस समय सबसे अच्छी योजना है, जो 18 से 40 वर्ष के लोगों को उद्योग करने हेतु उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा समर्थित है। बिना ब्याज के ऑटो लोन प्रदान किया गया, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। डीआरएम रवि श्रीवास्तव, जिला उपयुक्त नेहा सिंह, उद्योग विभाग एमएसएमई अरुण कुमार सिंह, ग्रामीण बैंक के सहायक प्रबंधक नंदन जी, आरडीएस ऑटोमोबाइल की प्रबंधिका और ऑटोमोबाइल से संबंधित सभी स्टाफ उपस्थित रहे।

बरदहिया बाजार में कपड़े की दुकान में लगी आग से 35 लाख की क्षति, एक घंटे तक मची रही अफरातफरी

आर्यावर्त संवाददाता

संतकबीर नगर। खलीलाबाद शहर के बरदहिया बाजार स्थित कपड़े की दुकान में सोमवार को सुबह के समय शार्ट-सर्किट के चलते आग लग गई। आग की बढ़ती लपटों के बीच करीब एक घंटे तक अफरातफरी मची रही।

अगल-बगल के दुकानदारों सहित अन्य लोगों में भय का माहौल रहा। सूचना मिलने पर तीन फायर ब्रिगेड पहुंची। करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। तब तक करीब 35 लाख रुपये की क्षति हो चुकी थी।

खलीलाबाद शहर के बरदहिया बाजार के कपड़ा कारोबारी विजय गुप्ता ने बताया कि सोमवार को सुबह करीब आठ बजे उनके दुकान में शार्ट-सर्किट के चलते आग लग गयी। इससे अफरातफरी मच गयी। इसकी सूचना उन्होंने तुरंत फायर सर्विस को दी। इस पर घटनास्थल पर तीन फायर ब्रिगेड पहुंची।

आग की बढ़ती लपटों के बीच आसपास के दुकानदारों व अन्य लोगों में खलबली मच गयी। दमकल कर्मियों के प्रयास से करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में उनके दुकान में रखा कपड़ा सहित अन्य सामान जलकर राख हो गए। करीब 35 लाख रुपये की क्षति हुई है। करीब पांच लाख से अधिक की लेन-देन से संबंधित खाता बही भी जल गयी।

खलीलाबाद शहर के बरदहिया बाजार के कपड़ा कारोबारी विजय गुप्ता ने बताया कि सोमवार को सुबह करीब आठ बजे उनके दुकान में शार्ट-सर्किट के चलते आग लग गयी। इससे अफरातफरी मच गयी। इसकी सूचना उन्होंने तुरंत फायर सर्विस को दी। इस पर घटनास्थल पर तीन फायर ब्रिगेड पहुंची।

आसपास के दुकानदारों व अन्य लोगों में खलबली मच गयी। दमकल कर्मियों के प्रयास से करीब एक घंटे बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में उनके दुकान में रखा कपड़ा सहित अन्य सामान जलकर राख हो गए। करीब 35 लाख रुपये की क्षति हुई है। करीब पांच लाख से अधिक की लेन-देन से संबंधित खाता बही भी जल गयी।

एकतरफा प्यार में हत्या कर उजाड़ दीं घर की खुशियां... चार दिन पहले सद्दाम ने बरात न आने की दी थी धमकी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

रामपुर। गुलफशा से एकतरफा प्यार करने वाला सद्दाम इस हद तक चला जाएगा, इसका किसी को यकीन नहीं हो रहा। अब गांव में लोगों में गुलफशा और उसके परिवार के लिए हमदर्दी है तो सद्दाम के लिए गुस्सा। उसने गुलफशा का घर बसने से पहले ही उजाड़ दिया।

भोट थाना क्षेत्र के धनुपुरा गांव का रहने वाला सद्दाम और गुलफशा दोनों फकीर जाति के हैं। दोनों का एक-दूसरे के घर आना जाना था। सद्दाम मन ही मन उसे चाहने लगा था। वह शादी भी करना चाहता था, लेकिन गुलफशा की शादी छह माह पहले उसके स्वजन ने गंज कोतवाली के मुहल्ला गूजर टोला घेर रहमत खां स्थित फकीरों वाला फाटक निवासी निहाल के साथ तय कर दी थी।

15 जून को निकाह होना था।

यह जानकारी जब सद्दाम को हुई तो उसने गुलफशा पर काफी दबाव बनाया, लेकिन उसने परिवार की मर्जी से निकाह करने की बात कही। चार दिन पहले भी उसने धमकाया था कि कही और शादी नहीं होने देगा। यदि ऐसा हुआ तो बरात नहीं आने देगा। तब किसी को उसकी धमकी पर यकीन नहीं हुआ, लेकिन जब निर्धारित दिन पर बरात नहीं आई तो सभी घबरा गए।

जानकारी से पता चला कि दूल्हा गायब है। निकाह की रात दूल्हे का शव मिलने की जानकारी से सभी के होश उड़ गए। पुलिस ने धनुपुरा गांव जाकर भी पूछताछ की। गांव में गुलफशा के घर पर सन्नाटा पसरा है, जबकि सद्दाम का परिवार फरार है।

मुख्य आरोपित को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

सीसी कैमरों की रिकॉर्डिंग से हुई पुष्टि

निहाल के गायब होने के बाद पुलिस ने जब उसकी तलाश शुरू की तो लोगों से पूछताछ की गई। आसपास लगे सीसी कैमरों को चेक किया गया। इनमें सद्दाम अपने साथी के साथ निहाल को बाइक पर बैठाकर अपहरण कर ले जाते नजर आए। इसके बाद पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस के हाथ सद्दाम का साथी फरमान लग गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर सख्ती से पूछताछ की तो निहाल की हत्या का राज खुल गया। निहाल के अलावा उसका एक भाई व दो बहनें हैं।

सीओ सिटी जितेंद्र कुमार ने बताया कि रात में गंज कोतवाली पुलिस ने सद्दाम को गिरफ्तार कर लिया था। उसकी निशानदेही पर पुलिस केसरपुर की पुलिया से मृतक निहाल का मोबाइल बरामद करने गई। तब सद्दाम ने मुख्य आरक्षी गजेंद्र की पिस्टल छीन ली और भाग गया। पुलिस ने पीछा किया तो उसने फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाब में उस पर गोली चला दी, जिससे वह घायल हो गया।

धनुपुरा में दो बेटियों की आनी थी बरात

गुलफशा के पिता आशक अली ने बताया कि उनकी तबीयत खराब रहती है। चार बीघा जमीन है। जमीन की देखभाल भाई करते हैं। उसमें थोड़ा बहुत अनाज खाने के लिए हो जाता है। इसके अलावा मेरी बेटियां घर पर ही कारचोब का काम करके खर्च चला रही थीं। उसी से परिवार की गुजर बसर हो रही है। मेरी पांच बेटियां और चार बेटे हैं। बेटे छोटे हैं। एक बेटी की शादी पहले कर दी थी।

15 जून को दो बेटियों की एक साथ शादी तय की थी। एक बेटी की बरात आई। उसे विदा कर दिया, लेकिन गुलफशा की बरात नहीं आई। पुलिस कई बार घर पर पूछताछ करने आ चुकी है। इस घटना में हमारी बेटी निर्दोष है। सद्दाम हमारी बेटी को परेशान करता था। उसे टार्चर करता था। बेटी उसके साथ शादी नहीं करना चाहती थी।

निहाल से फोन पर बातें भी करती थी मंगेतर

सोमवार को निहाल के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इस दौरान वहां मौजूद उसके स्वजन ने बताया कि जिस लड़की से शादी होने वाली थी, वह निहाल से फोन पर लंबी-लंबी बातें भी किया करती थी। उनका कहना था कि यदि उन्हें उसके प्रेम प्रसंग के बारे में पता होता तो कभी भी रिश्ता मंजूर नहीं करते। इससे निहाल की जान बच जाती।

पुलिस को मोबाइल की तलाश

मृतक निहाल का शव तो मिल गया है मगर अभी पुलिस के हाथ उसका मोबाइल नहीं लगा है। माना जा रहा है कि हत्या के बाद आरोपित उसका मोबाइल भी अपने साथ ले गए हैं। हालांकि मोबाइल स्विच आफ बता रहा है। सीओ सदर जितेंद्र सिंह ने बताया कि निहाल की फोन पर किससे बात हुई, उसे किसने काल कर बुलाया था, इस तरह के महत्वपूर्ण सवालों के जवाब उसके मोबाइल के सीडीआर से मिल जाएंगे। साथ ही उसके मोबाइल की भी तलाश की जा रही है।

इंटर कालेज को इंग्लिश मीडियम की मिली मान्यता

जयसिंहपुर/सुल्तानपुर। श्री आद्याशंकर मिश्र मेमोरियल राजू पब्लिक इंटर कॉलेज, गदनपुर धूंधूं को शासन द्वारा कक्षा छह से 12 तक इंग्लिश मीडियम की मान्यता प्राप्त हुई है। कालेज को हाईस्कूल स्तर पर सभी विषय व इंटर स्तर पर आर्ट व साइंस वर्ग के साथ कालेज को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा हिंदी मीडियम की मान्यता पहले ही मिल चुकी थी। अब इसी वर्ग व विषय में इंग्लिश मीडियम की मान्यता मिलने पर मंगलवार को कालेज में बैठक कर खुशी का इजहार किया गया। प्रधानाचार्य विभूति दुबे ने कॉलेज की इस उपलब्धि पर प्रबंधक नवनीत मिश्र का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इंग्लिश मीडियम की मान्यता मिलने से बच्चों के साथ अभिभावकों व क्षेत्रीय लोगों में खुशी का माहौल है। ग्राम प्रधान सहाबुद्दीन ने कहा कि हमारे क्षेत्र में इंग्लिश मीडियम स्कूलों की कमी थी राजू पब्लिक इंटर कालेज में इंग्लिश मीडियम की मान्यता होने से क्षेत्र के बच्चों को बेहतर पढ़ाई का अवसर मिलेगा। इससे क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवंगत भाजपा नेता देवेश श्रीवास्तव व होटल व्यवसायी जितेन्द्र सिंह को अर्पित की श्रद्धांजलि

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के दिवंगत महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव के गोरखपुर स्थित आवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने स्व. श्रीवास्तव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनकी स्मृति को नमन किया तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना प्रकट की और उन्हें आश्वस्त किया कि वह हर परिस्थिति में परिवार के साथ हैं।ज्ञात हो कि भाजपा के समर्पित और सक्रिय कार्यकर्ता रहे देवेश श्रीवास्तव का 11 जून को हृदयाघात से निधन हो गया था। पार्टी संगठन में उनके योगदान को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देवेश श्रीवास्तव का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा।इसके पश्चात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ होटल व्यवसायी जितेन्द्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह के जेल रोड स्थित आवास पहुंचे। उन्होंने स्व. जितेन्द्र सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके निधन पर गहरा दुःख प्रकट किया। मुख्यमंत्री ने स्व. सिंह के परिजनों से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि इस दुःख की घड़ी में सरकार व प्रशासन उनके साथ है।मुख्यमंत्री के साथ इस अवसर पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि और स्थानीय कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने गोरखपुर में रेलकर्मी अजय सिंह के आवास पर जाना हालचाल, शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखपुर में कैंसर पीड़ित रेलकर्मी अजय कुमार सिंह के आवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने श्री सिंह के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने परिजनों से संवाद कर उनका मनोबल भी बढ़ाया।मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए श्री अजय सिंह ने कहा कि उपचार के दौरान उन्हें जो आत्मीय सम्बल मिला, वह बेहद प्रेरणादायी रहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के व्यक्तिगत स्नेह और सहयोग से उन्हें कठिन समय में मानसिक संबल मिला।बताया गया कि श्री अजय सिंह गोरक्षपीठ के प्रति गहरी श्रद्धा रखते हैं। कैंसर से जूझने के बाद अब वह उपचार के पश्चात स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।इस अवसर पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री का यह मानवीय gesture एक बार फिर उनकी संवेदनशील कार्यशैली का उदाहरण बना।

लखनऊ में अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम का सघन अभियान, कई क्षेत्रों में की गई सख्त कार्रवाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। महापौर सुषमा खर्कवाल के निर्देश व नगर आयुक्त गौरव कुमार के आदेश पर नगर निगम लखनऊ द्वारा मंगलवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में अतिक्रमण विरोधी सघन अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई का उद्देश्य सड़कों और सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त बनाना था, ताकि आम नागरिकों को सुगम आवागमन और स्वच्छ वातावरण मिल सके।अभियान की शुरुआत जोन-1 क्षेत्र में हुई, जहां जोनल अधिकारी राजेश कुमार के नेतृत्व में हनुमान मंदिर पार्क के भीतर बने अवैध ढांचों को हटाया गया और एक ट्रक सामान जब्त किया गया। इसके बाद स्वास्थ्य भवन से लेकर जिलाधिकारी कार्यालय और कालीदास मार्ग से 1090 चौराहा तक फुटपाथ पर किए गए अस्थाई अतिक्रमण हटाए गए। इस अभियान में कर अधीक्षक विनय मौर्या, राजस्व निरीक्षक ओम प्रकाश सिंह व संजय सिंह सहित प्रवर्तन विभाग की टीम 296 और अन्य अधिकारी शामिल रहे।जोन-3 में जोनल अधिकारी अमरजीत यादव, वार्ड पार्षद पृथ्वी गुप्ता व निरीक्षक संचिता मिश्र की देखरेख में पुरनिया चौराहे से आंचलिक विज्ञान केंद्र तक कार्रवाई की गई। नाले के ऊपर अवैध रूप से रखे गमले, पौधों, टट्टर और लकड़ी की बेंच हटाई गईं, वहीं नाले की सफाई कराई गई और 9000 रुपये का जुर्माना भी वसूला गया।जोन-6 क्षेत्र में जोनल अधिकारी मनोज यादव के नेतृत्व में भावानीगंज वार्ड की शिकायत पर पुराना हैदरगंज व बाजारखाला क्षेत्र में अतिक्रमण हटाया गया। बाजारखाला थाने से चरक चौराहे तक की गई कार्रवाई में 25 ठेले, 7 गुमटी और 20 अस्थाई दुकानों को हटवाया गया।

कांग्रेस ने शुरू की 2027 की विधानसभा चुनावी तैयारी, पूर्वांचल के जिलों में संगठन सृजन पर जोर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने कमर कस ली है। संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने की रणनीति के तहत पूर्वांचल के जिलों की समीक्षा बैठक मंगलवार को सम्पन्न हुई। बैठक में तय किया गया कि टिकट वितरण में जिला कांग्रेस कमेटियों की राय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे निचले स्तर तक कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार हो और चुनावी ज़मीन को मजबूती मिले।चौथे दिन आयोजित इस समीक्षा बैठक में सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, गोरखपुर, बस्ती, कुशीनगर, आजमगढ़, मऊ, देवरिया, बलिया, संत कबीर नगर, अयोध्या और अंबेडकरनगर जिलों में संगठन सृजन अभियान की प्रगति का मूल्यांकन किया गया। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, नेता विधानमंडल दल आराधना मिश्रा मोना और सह प्रभारी सत्यनारायण पटेल प्रमुख रूप से मौजूद रहे।पार्टी प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने जानकारी दी कि समीक्षा बैठक में जिला और शहर अध्यक्षों के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। अविनाश पांडे ने सभी जिलों को समयबद्ध ढंग से ब्लॉक और बूथ कमेटियों के गठन के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो कार्यकर्ता निरंतर सक्रिय हैं, उन्हें संगठन में महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया जाएगा।अविनाश पांडे ने कहा कि जिला संगठन ही असली ज़मीनी ताकत है जो जनता से सीधा संवाद करता है, संघर्ष करता है और कैडर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए आगामी चुनाव में टिकटों के वितरण में उनकी राय सर्वोपरि मानी जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व उन कार्यकर्ताओं को आगे लाना चाहता है जो वाकई संगठन के लिए समर्पित हैं।प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भी स्पष्ट किया कि टिकट वितरण केवल उन्हीं लोगों को मिलेगा जिनकी सिफारिश जिला कमेटियां करेंगी। उन्होंने कहा कि जो लोग पार्टी के लिए ज़मीन पर काम कर रहे हैं, वही असली हकदार हैं। अजय राय ने यह भी कहा कि जिन्होंने संगठन को मज़बूत करने के लिए परिश्रम किया है, उनकी मेहनत का उचित मूल्यांकन होगा।बैठक में पूर्वांचल के अलग-अलग जिलों से जुड़े स्थानीय मुद्दों पर भी चर्चा हुई और तय किया गया कि इनमें से महत्वपूर्ण विषयों को पार्टी के आगामी घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा।इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश सिंह, प्रदेश महासचिव अनिल यादव सहित सभी कॉर्डिनेटर और संबंधित जिलों के संगठन पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के 10 बीटेक छात्रों का स्टुफिट कंपनी में इंटर्नशिप के लिए चयन

लखनऊ। विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के बीटेक पाठ्यक्रम में अध्ययनरत 2026 बैच के 10 छात्र-छात्राओं का चयन प्रतिष्ठित टेक्नोलॉजी कंपनी स्टुफिट में इंटर्नशिप के लिए हुआ है। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय एवं संकाय अधिष्ठाता प्रो. ए.के. सिंह ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी है।कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, तकनीकी दक्षता और विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए प्रशिक्षण का प्रमाण है। उन्होंने इसे छात्रों के लिए उद्योग जगत की वास्तविक आवश्यकताओं को समझने और अपने कौशल को निखारने का उत्कृष्ट अवसर बताया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

महानिदेशक कारागार ने किया जेल का निरीक्षण

जेल के उद्योगों को बढ़ाने व गुणवत्ता में सुधार लाने के दिये निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। महानिदेशक कारागार पी. सी. मीना ने मंगलवार को जिला कारागार लखनऊ, आदर्श कारागार (मॉडल जेल) एवं नारी बंदी निकेतन का निरीक्षण किया।

निरीक्षण में जिला कारागार, लखनऊ पहुंचे जहां एक्स-रे बैगेज स्कैनर, वीडियो वॉल, मुलाकात कक्ष, अस्पताल, भंडारा, ई-प्रिजन प्रणाली, हेल्थ एटीएम, पीसीओ तथा महिला हाते का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान व्यवस्था संतोषजनक पाई गई।

इसके बाद मॉडल जेल लखनऊ में संचालित प्रिंटिंग प्रेस, पावर लूम, तथा कागज़ उद्योग की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई और मशीनों के आधुनिकीकरण और उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके साथ ही गौशाला का निरीक्षण कर गोवंश की देखरेख की व्यवस्था परखी। नारी बंदी निकेतन का भी किया गया निरीक्षण किया। महिला बंदियों की बैरकों व परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और उनसे संवाद स्थापित किया। परिसर स्थित क्रेच (शिशु देखरेख केंद्र) का भ्रमण किया और बच्चों को उपहार वितरित किए गए। डॉ. रामधनी (डीआईजी रेंज), ब्रिजेन्द्र सिंह (जेल अधीक्षक जिला कारागार लखनऊ), अशोक कुमार सागर (जेल अधीक्षक नारी बंदी निकेतन), रितविक प्रियदर्शी एवं मृत्युंजय पांडेय (जेलर), अशुतोष मिश्रा एवं डी.पी. सिंह (डिप्टी जेलर) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एसीपी ट्रैफिक इंद्रपाल सिंह ने बाटे निशुल्क हेलमेट

» बिना हेलमेट के वाहन चलाने वालों के प्रति चलाया गया जागरूकता अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित के निर्देशन में राजधानी लखनऊ में बिना हेलमेट के वाहन चलाने वालों के प्रति चलाया गया जागरूकता अभियान, एस.के. फाइनेंस द्वारा बाटे गए निःशुल्क हेलमेट योगी सरकार जहां यातायात नियमों के प्रति गंभीर और सख्त है, ट्रैफिक नियमों पालन करते हुए भीषण ट्रैफिक जाम से निजात दिलाया जा सके और चलाने वाले राहगीर अपने वाहन के साथ सुरक्षित अपने लक्ष्य तक पहुंच सके

इसी क्रम में डीसीपी ट्रैफिक लखनऊ कमलेश दीक्षित के निर्देशन में दिन मंगलवार को आहिमामऊ चौराहा पर एस. के. फाइनेंस कंपनी के सौजन्य से निशुल्क हेलमेट वितरण कैंप का आयोजन किया गया

इस अभियान में बिना हेलमेट के वाहन चलाने वाले लोगों को निःशुल्क सौ हेलमेट एसीपी इंद्रपाल सिंह के द्वारा बाटे गए और ट्रैफिक नियमों का पालन करने के प्रति जागरूक किया गया

एसीपी इंद्रपाल सिंह ने बताया कि बिना हेलमेट के वाहन न चलाए , हेलमेट पहनने से आपके जीवन की सुरक्षा है उन्होंने कहा आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है गाड़ी चलाने वाले और बैठने वाले दोनों को हेलमेट पहनना चाहिए जिससे उसकी और उसके परिवार की जीवन की सुरक्षा हो सके. और लोगों को जागरुक करिए बिना हेलमेट के वहां ना चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें

इसी क्रम में स्टेट हेड रविंद्र बाजपेई ने बताया कि इस तरह का अभियान समय समय पर चलाते आ रहे है, इससे पहले प्रयागराज महाकुंभ मेले में करीब दो सौ निशुल्क हेलमेट बाटे गए थे, इससे यातायात पुलिसकर्मियों का प्रोत्साहन बढ़ता है और हम ट्रैफिक पुलिस कर्मी के साथ साथ हाइवे पर चलने वाले बिना हेलमेट के लोगों को भी निशुल्क हेलमेट वितरित करते रहते है

इसलिए ट्रैफिक नियमों का पालन करे और सुरक्षित रहे। हेलमेट वितरण आयोजन में एस.के. फाइनेंस की टीम रविंद्र बाजपेई स्टेट हेड एस के फाइनेंस, शहरोज खान जेडएचआर, रविंद्र प्रकाश शुक्ला, नितिन दुबे, आनंद द्विवेदी, रचित शर्मा सहित समस्त स्टाफ ने सहयोग किया। इस मौके पर टीआई शैलेश पांडेय एवं पंकज शर्मा ट्रैफिक पार्क लखनऊ, टीएसआई दीपचंद, डीसीपी पेशकार विकास सिंह, सहित यातायात पुलिसकर्मी और राहगीर सैकड़ों की संख्या में उपस्थित रहे।

लखनऊ में घोषित हुआ यूपी संयुक्त बी.एड. प्रवेश परीक्षा–2025 का परिणाम, मिर्जापुर के सूरज कुमार पटेल ने किया टॉप

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के पुस्तकालय भवन में मंगलवार को उत्तर प्रदेश संयुक्त बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2025 का परिणाम घोषित किया गया। परिणाम की औपचारिक घोषणा प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय एवं राज्य मंत्री रजनी तिवारी की उपस्थिति में की गई।इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने सफल छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि योगी सरकार के कार्यकाल में परीक्षा प्रणाली में अभूतपूर्व पारदर्शिता और तकनीकी नवाचार आया है। उन्होंने कहा कि बायोमेट्रिक उपस्थिति, फेस रिकग्निशन, लाइव मॉनिटरिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी जैसी व्यवस्थाएं दर्शाती हैं कि अब परीक्षाएं पूरी तरह निष्पक्ष एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न हो रही हैं।मंत्री ने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय की परीक्षा संचालन टीम को सराहते हुए कहा कि उन्होंने रिकॉर्ड समय में पारदर्शिता के साथ परीक्षा आयोजित कर प्रदेश में नई मिसाल कायम की है। राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने इसे शिक्षा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की एक बड़ी उपलब्धि बताया।प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल ने जानकारी दी कि परीक्षा आयोजन हेतु बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा हाईटेक कमांड कंट्रोल रूम स्थापित किया गया था, जिससे प्रदेश भर के 751 परीक्षा केन्द्रों की लाइव निगरानी की गई। आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रही।1 जून 2025 को आयोजित इस परीक्षा में कुल 3,44,546 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिसमें 1,96,700 महिलाएं और 1,47,846 पुरुष अभ्यर्थी थे। पहली पाली में 3,05,332 और दूसरी पाली में 3,05,439 परीक्षार्थियों ने भाग लिया। सर्वाधिक उपस्थिति अमेठी और बलरामपुर (93%) में दर्ज की गई, जबकि बिजनौर में न्यूनतम उपस्थिति (82%) रही।परीक्षा में दोनों पालियों के ओएमआर उत्तर पत्रकों की डबल स्कैनिंग और मैन्युअल सत्यापन के आधार पर मूल्यांकन किया गया। कुल 3,04,980 अभ्यर्थियों को रैंक प्रदान की गई, जिनमें कला वर्ग के 1,95,142, विज्ञान वर्ग के 92,593, वाणिज्य वर्ग के 14,783 और कृषि वर्ग के 2,462 अभ्यर्थी शामिल हैं।घोषित परिणामों में मिर्जापुर के सूरज कुमार पटेल (विज्ञान वर्ग) ने 362.662 अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि भदोही की शीबा परवीन (विज्ञान वर्ग) दूसरे और जौनपुर की शिवांगी यादव (कला वर्ग) तीसरे स्थान पर रहीं।

नशा मुक्ति कार्यक्रम और जागरूकता रैली

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आज हमारे DISHA Skill Centre Sisai (SJKVY)में *नशा मुक्ति अभियान* के तहत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य *युवाओं एवं युवतियों* को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें एक स्वस्थ, नशा-मुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत- ड्राइंग प्रतियोगिता* से हुई, जिसमें प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी कल्पनाओं और रंगों के माध्यम से नशे के खिलाफ सशक्त संदेश प्रस्तुत किए। इसके बाद *निबंध लेखन प्रतियोगिता* आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने ₹नशा – एक सामाजिक अभिशाप₹ जैसे विषयों पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से व्यक्त किए।

इसके पश्चात केंद्र के युवाओं एवं युवतियों द्वारा एक *नुक्कड़ नाटक* प्रस्तुत किया गया, जिसमें नशे की लत से होने वाले पारिवारिक, सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी नुकसान को जीवंत अभिनय के माध्यम से दर्शाया गया। यह नाटक उपस्थित सभी लोगों के हृदय को छू गया और सभी ने इसे खूब सराहा।

कार्यक्रम का सबसे प्रभावशाली हिस्सा रहा *जागरूकता रैली*, जिसमें प्रशिक्षु एवं स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली में सभी ने नशा विरोधी नारे लगाकर आसपास के समुदाय में जागरूकता फैलाई। कुछ प्रमुख नारों में शामिल थे:

> "जो नशे को अपनाएगा, वो घर लौट के नहीं आएगा।"

> "नशा अब छोड़ दो, टूटे रिश्ते जोड़ लो।"

> "छोड़ो नशा और शराब, न करो जीवन खराब।"

> "कुछ पल का नशा, सारी उम्र की सजा।"

> "नशा मुक्ति का अभियान, बने जन-जन की पहचान।"

> "हम सब की यही पुकार, नशे का हो बहिष्कार।"

कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षुओं को नशा मुक्ति से जुड़े महत्त्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी दी गई और उन्हें अपने परिवार व समाज को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

यह आयोजन न केवल केंद्र के लिए बल्कि पूरे समुदाय के लिए एक जागरूकता का माध्यम बना। DISHA Skill Centre Sisai (SJKVY) ऐसे ही कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए *युवाओं एवं युवतियों* को सही दिशा देने का प्रयास करता रहेगा।

मतदाता सूची की गुणवत्ता सुधार हेतु निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों का चरणबद्ध प्रशिक्षण प्रारम्भ

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश में मतदाता सूचियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 403 विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) का तीन चरणों में एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 17, 19 एवं 25 जून 2025 को उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (उपाम), अलीगंज, लखनऊ में आयोजित हो रहा है।प्रशिक्षण सत्र के पहले चरण का शुभारम्भ मंगलवार को प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस सत्र में 124 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि मतदाता सूची में हर पात्र नागरिक का नाम दर्ज होना सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सूची में किसी भी प्रकार की त्रुटि न रहे, इसके लिए यह प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है।मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची से जुड़े विधिक पहलुओं के साथ-साथ ईआरओ एवं बीएलओ की जिम्मेदारियों पर भी विस्तार से चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन बूथों पर लिंगानुपात कम है, उन्हें चिन्हित कर बीएलओ के माध्यम से छोटे समूहों में विशेष कार्ययोजना के तहत सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए। इसी प्रकार, 18-19 आयु वर्ग के नए मतदाताओं की पहचान कर उनके नाम समय से सूची में जोड़े जाने की भी व्यवस्था की जाए।उन्होंने यह भी कहा कि सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों को मतदाता सूची की प्रतियां आलेख्य प्रकाशन और अंतिम प्रकाशन के दिन निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएं।प्रशिक्षण के दौरान ईआरओ नेट और बीएलओ ऐप के माध्यम से जुड़ी प्रक्रियाओं पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। सत्र के अंत में सभी प्रतिभागियों की जानकारी का मूल्यांकन करने के लिए प्रश्नावली परीक्षा भी आयोजित की गई।गौरतलब है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मई और जून 2025 में पांच चरणों में प्रदेश के प्रत्येक जनपद से एक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से एक बीएलओ सुपरवाइजर को आईआईआईडीईएम, नई दिल्ली में भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अंतिम प्रशिक्षण सत्र 23 और 25 जून को प्रस्तावित हैं। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और दिल्ली में प्रशिक्षित बीएलओ सुपरवाइजरों को 12 जून 2025 को राज्य स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।यह चरणबद्ध प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एक दूसरे के खून के प्यासे हो रहे ईरान और इजराइल कभी गहरे दोस्त भी थे

ईरान और इजराइल एक दूसरे के खून के प्यासे बने हुए हैं। दोनों के बीच इस समय जो वार-पलटवार चल रहा है उसको देखते हुए ऐसा लगता है कि दुनिया में एक-दूसरे के यही सबसे बड़े दुश्मन देश हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दशकों से एक दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोले हुए ईरान और इजराइल कभी गहरे मित्र भी थे? वैसे ईरान और इजराइल की मित्रता की बात भले कोरी कल्पना लगे लेकिन इतिहास इस दोस्ती का गवाह है। हम आपको बता दें कि 1948 में जब इज़राइल की स्थापना हुई थी तब बहुत से मुस्लिम बहुल देशों ने उसे मान्यता देने से इंकार कर दिया था। लेकिन उस दौर में ईरान एक अपवाद था। यह बात आज के ईरान-इज़राइल संबंधों को देखते हुए चौंकाने वाली लग सकती है, लेकिन 1948 से 1970 के बीच ईरान और इज़राइल के बीच गहरे परन्तु छुपे हुए मैत्री संबंध थे, जो कूटनीति, सैन्य सहयोग और व्यापार पर आधारित थे। वैसे ईरान ने इज़राइल को उसकी स्थापना के बाद सार्वजनिक रूप से तत्काल मान्यता नहीं दी थी, लेकिन 1950 में इज़राइल को ₹डि-फैक्टो₹ मान्यता दे दी गई थी। इसका मतलब था कि दोनों देशों ने औपचारिक रूप से दूतावास नहीं खोले, लेकिन व्यावसायिक और कूटनीतिक संबंध धीरे-धीरे स्थापित होते रहे। इस मैत्री के पीछे कारण था साम्य हित। दरअसल दोनों की स्थिति उस समय अरब राष्ट्रों से घिरे हुए देशों की थी। यह दोनों अरब देशों के दुश्मन थे इसीलिए इनके बीच एक रणनीतिक साझेदारी की जरूरत महसूस हुई। हम आपको यह भी बता दें कि इज़राइल और उस समय के ईरान के शाह (मोहम्मद रज़ा पहलवी), दोनों ही अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों के करीबी माने जाते थे। यह एक और कारण था जो दोनों देशों को एक-दूसरे के करीब लाया। इसके अलावा, इज़राइल को तेल की ज़रूरत थी, जोकि ईरान के पास भरपूर मात्रा में था। इस साझेदारी के ज़रिए इज़राइल को गुप्त रूप से तेल की आपूर्ति होती रही। इसके बदले में इज़राइल ने ईरान को कृषि, जल प्रबंधन और तकनीकी मदद दी। 1950-70 के दशक में ईरान में शाह मोहम्मद रजा पहलवी की सरकार के दौरान इजराइल ने तेल के बदले ईरान को हथियार भी दिए थे।

इसके अलावा, इज़राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद और ईरान की सवाक (SAVAK) के बीच भी घनिष्ठ सहयोग था। मोसाद ने सवाक को खुफिया ट्रेनिंग दी और तकनीकी उपकरण भी उपलब्ध कराए। यह सहयोग विशेष रूप से 1960 के दशक में मजबूत हुआ। साथ ही ₹Trident₹ परियोजना एक गुप्त योजना थी जिसमें इज़राइल और ईरान ने मिलकर मिसाइल टेक्नोलॉजी और सैन्य शोध पर काम किया। साथ ही इज़राइली विशेषज्ञों ने ईरान में कृषि सुधार, सिंचाई प्रणाली और जल प्रबंधन से जुड़ी परियोजनाओं में भी अहम भूमिका निभाई।

हम आपको बता दें कि 1970 के दशक में यह संबंध अपने चरम पर था, लेकिन ईरान में इस्लामी आंदोलन के जोर पकड़ने के साथ इसमें दरार आने लगी। शाह के शासन के खिलाफ जनता में असंतोष बढ़ता जा रहा था और 1979 की इस्लामी क्रांति इस मैत्री का अंत लेकर आई। शाह मोहम्मद रजा पहलवी को सत्ता से हटाकर आयतुल्ला खामेनेई के नेतृत्व में ईरान में एक धार्मिक सरकार बनते ही इजराइल को दुश्मन घोषित कर दिया गया। इसके साथ ही इजराइल के दूतावास को बंद करके उसे फिलिस्तीनी संगठन PLO को दे दिया गया। इजराइल को इस्लाम का भी दुश्मन घोषित करने के बाद ईरान ने हिजबुल्ला और हमास को मदद देनी शुरू की जोकि आज तक जारी है। वैसे इस तरह की भी रिपोर्टें समय-समय पर आती रहीं कि ईरान और इजराइल के बीच दुश्मनी के दौर में भी गुप्त रूप से कारोबार चलता रहा। बताया जाता है कि 1980 में जब ईरान और इराक के बीच जंग हुई, तो इजराइल को महसूस हुआ कि इराक ज्यादा खतरनाक है। इसलिए अमेरिका और इजराइल ने गुपचुप तरीके से ईरान को लड़ने के लिए हथियार भेजे थे। लेकिन जब 1990 के दशक में ईरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम शुरू किया तो इजराइल ने उसे सबक सिखाने की ठान ली और अब जब तेहरान परमाणु बमों के निर्माण से चंद कदम ही दूर रह गया था तो इजराइल ने बड़ा हमला करते हुए आयतुल्ला खामेनेई के सपनों को तोड़ डाला। इजराइल ने सीधा हमला करने से पहले ईरान के हमास और हिज्बुल्ला जैसे सहयोगियों की कमर तोड़ी और पिछले कुछ महीनों में कई अभियानों के माध्यम से अपनी मारक क्षमता को भी परखा, उसके बाद यह बड़ी कार्रवाई की गयी। बहरहाल, देखा जाये तो 1948 से 1970 तक का ईरान-इज़राइल संबंध एक ऐसा अध्याय है जो आज के उथल-पुथल भरे पश्चिम एशिया की राजनीति में लगभग भुला दिया गया है। इस काल में दोनों देशों के बीच गहरे रणनीतिक और आर्थिक संबंध थे, जो आज की स्थिति को देखते हुए विरोधाभासी प्रतीत होते हैं।

साइप्रस यात्रा के जरिए तुर्की को कूटनीतिक जवाब

उमेश चतुर्वेदी

दिल्ली में केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी के कदमों को देखिए। हर बार वे चौंकाते रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब समूचा विपक्ष भारत सरकार की विदेश नीति की नाकामी को लेकर मोदी सरकार पर निशाना लगा रहा था, प्रधानमंत्री ने साइप्रस की यात्रा करके देश को चौंका दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी से पूछा गया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत की कार्रवाई इतनी सटीक क्यों रही? पाकिस्तान की खुफिया सेवा इसे भांप क्यों नहीं पाई, पाकिस्तानी राजनेता और सेना क्यों भारतीय कार्रवाई का अंदाजा नहीं लगा पाए। सवाल खत्म होते ही प्रधानमंत्री ठठाकर हंस पड़े। हंसते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना और राजनीति भारत के विपक्षी दलों की ही तरह हैं। जिस तरह वे मेरे बारे में अंदाजा नहीं लगा सकते, कुछ उसी तरह पाकिस्तानी भी अंदाजा नहीं लगा सकते।

दिल्ली में केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी के कदमों को देखिए। हर बार वे चौंकाते रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब समूचा विपक्ष भारत सरकार की विदेश नीति की नाकामी को लेकर मोदी सरकार पर निशाना लगा रहा था, प्रधानमंत्री ने साइप्रस की यात्रा करके देश को चौंका दिया है। भूमध्य सागर के द्वीपीय देश साइप्रस की यात्रा का अचानक से ऐलान होना और कनाडा जाते हुए रास्ते में प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस उतरना और वहां के शीर्ष नेताओं से मिलना भारतीय विदेश नीति का चौंकाऊं फैसला ही है। देश के शीर्ष नेताओं की विदेश यात्राएं अरसा पहले से तय होती हैं, उसकी जानकारी राजनीति के साथ ही पत्रकारिता को भी होती है। लेकिन प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा अचानक से हुई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा का 14 मई को अचानक ऐलान किया। साइप्रस की राजधानी निकोसिया में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स से बातचीत भी की। ऐसे में सवाल यह उठ सकता है कि साइप्रस की यह अचानक यात्रा क्यों ?

इस सवाल के जवाब में एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई घटनाओं की ओर लौटना होगा। याद कीजिए, तब पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन के जरिए सैकड़ों हमले किए थे। उन हमलों को बेशक भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। साइप्रस की यात्रा के लिए हमें उन हमलों में इस्तेमाल हुए ड्रोन को देखना होगा। पाकिस्तान ने जिन ड्रोन से हमले किए, ज्यादातर तुर्की में बने सोनगार ड्रोन थे। हवाई हमलों में तुर्की के इन ड्रोन को बेहद मारक माना जाता है। हालांकि वे भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम के सामने बेकार ही साबित हुए। कूटनीतिक हलकों को पता है कि तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन ने पाकिस्तान को उपलब्ध कराया। अर्दोआन ने पर्दे के पीछे से पाकिस्तान का साथ दिया। इतना ही नहीं, भारत ने जब इस बात को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने रखा तो अर्दोआन ने ट्वीटर पर 'पाकिस्तान-तुर्की दोस्ती जिंदाबाद' लिखकर एक तरह से भारत के आरोप को साबित कर दिया। इसे भारत को मुंह चिढ़ाना भी कह सकते हैं। यह उस तुर्की का कदम था, जिसे भारत ने दो साल पहले दिल खोलकर मानवीय आधार पर सहयोग दिया था। छह फरवरी 2023 को तुर्की में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, उस झटके में तुर्की में 53 हजार लोगों की मौत हो गई थी, हजारों लोग घायल हो गए थे। जान-माल के भारी नुकसान के बाद भारत ने मानवीय सहायता के साथ ही विशेषज्ञों की टीम के साथ बचाव दल भेजा था। राहत के तुर्की पहुंचने वाली टीमों में भारत की टीम भी शामिल थी। तुर्की के राष्ट्रपति ने जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान से दोस्ती को जगजाहिर किया तो उसे भारत के लोगों ने भारत के लिए मुंह चिढ़ाना माना। रही-सही कसर पूरी हुई मई के आखिर में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की तुर्की की यात्रा से। तब भारत के सामने अर्दोआन के रूख को लेकर कोई गुंजाइश ही नहीं रही। तुर्की को लेकर भारतीय समुदाय की सोच अब भी ऐसी ही है। ऐसा नहीं कि पहली बार तुर्की ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पक्ष लेते हुए ऐसा कदम उठाया है। संयुक्त राष्ट्र संघ समेत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के पक्ष में अर्दोआन सहयोगी भूमिका पेश करते रहे हैं। इन वजहों से तुर्की को लेकर भारत में गुस्सा भी बहुत रहा है। कश्मीर के मसले पर तुर्की हर बार पाकिस्तान के साथ ही खड़ा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस दौरा भारत के उसी गुस्से की अभिव्यक्ति और भारत को मुंह चिढ़ाने के अर्दोआन के प्रयासों का जवाब माना जा सकता है। इसकी वजह है कि साइप्रस और तुर्की के बीच जारी बरसों पुराना विवाद। साइप्रस में यूनानी और तुर्की मूल के लोग रहते हैं। तुर्की के दोनों समुदायों में नस्ली आधार पर विवाद रहा है। साइप्रस में साल 1974 में तत्कालीन सरकार के खिलाफ यूनानी मूल के आतंकी समूहों ने तख्तापलट की कोशिश की। इसे तुर्की ने अपने लोगों के खिलाफ युद्ध माना। इसके बाद तुर्की ने साइप्रस पर हमला कर दिया। इस दौरान तुर्की की सेनाओं ने साइप्रस के दूसरे नंबर के मशहूर शहर वरोशा पर कब्जा कर लिया। यह शहर अपने बहुमंजिला भवनों के लिए प्रसिद्ध रहा है। यहां पूरे साल सैलानी आते रहते थे। लेकिन जब से तुर्की के कब्जे में यह शहर है, सैलानियों के लिए तरस रहा है। तुर्की की सेना के 35 हजार जवान यहां तैनात हैं। इसके बाद से एक तरह से यह द्वीपीय देश दो हिस्सों में बंट गया है। तुर्की के कब्जे वाले इलाके को तुर्की ने राष्ट्र का दर्जा दे रखा है। दिलचस्प है कि इस राष्ट्र के अस्तित्व को तुर्की के अलावा कोई देश स्वीकार नहीं करता। साइप्रस यूरोपीय संघ का भी सदस्य है और एक जनवरी 2026 से वह संघ का अध्यक्ष बनने जा रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। भारत को उम्मीद है कि साइप्रस के अध्यक्ष रहते यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता हो जाएगा। साइप्रस ने कई मौकों पर भारत की संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट की दावेदारी का समर्थन कर चुका है।

मोदी ने साइप्रस जाकर दो संदेश देने की कोशिश की है। पहला संदेश तुर्की के लिए है। भारत ने जता दिया है कि वह साइप्रस को सहयोग देगा और साइप्रस से सहयोग लेगा। वैसे भी साइप्रस के आईटी उद्योग और पर्यटन में भारत के हजारों लोग कार्यरत हैं। साइप्रस स्थित भारतीय हाईकमीशन के मुताबिक साइप्रस में साढ़े ग्यारह हजार लोग रहते हैं। मोदी की साइप्रस यात्रा का दूसरा संदेश भारतीयों के लिए है। पहले भारत से बहुत सारे सैलानी तुर्की जाते थे, लेकिन अब वे साइप्रस जाएंगे। वैसे पाकिस्तान के सहयोग के खुलासे के बाद से ही तुर्की के लिए बुक टिकटों को भारतीयों ने कैंसल कराना शुरू कर दिया था। मोदी की कोशिश साइप्रस को बढ़ाकर तुर्की की आर्थिक रीढ़ पर चोट पहुंचाना है। साथ ही तुर्की को संदेश देना है कि जरूरत पड़ने पर भारत तुर्की के खिलाफ कड़े कदम भी उठा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कनाडा जाते हुए साइप्रस की यात्रा से तुर्की को भी चौंकाया है। तुर्की के राष्ट्रपति अर्दोआन ने 2021 में कहा था कि साइप्रस की जिम्मेदारी तुर्की की है। यानी एक तरह से वह साइप्रस के एकीकरण के संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव के खिलाफ हैं। हालांकि अर्दोआन के कदम का इजरायल कड़ा विरोध करता है। साइप्रस की मौजूदा सरकार के साथ इजरायल मजबूती से खड़ा है। जाहिर है कि तुर्की के कदम का इजरायल विरोध कर रहा है। भारतीय प्रधानमंत्री की साइप्रस की यात्रा के बाद इजरायल, भारत और साइप्रस संबंधों को भी गति मिलने की संभावना है।

अजब-गजब

ऑफिस से घर लौटी महिला के उड़े होश, बिस्तर पर मिला बॉस, वो भी अर्धनग्न! फिर जो हुआ...

एक महिला लंच ब्रेक के दौरान ऑफिस से अपने घर कुछ सामान लेने के लिए पहुंची, और अपने बेडरूम का नजारा देखकर सन्न रह गई। दरअसल, बिस्तर पर महिला का बॉस लेटा हुआ था, वो भी अंडरवियर में। यह किसी हॉरर मूवी का सीन नहीं, बल्कि जापान के फुकुओका प्रांत की एक हकीकत है, जिसने सोशल मीडिया पर हल्ला मचा दिया है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, 20 साल की यह महिला जब दोपहर को अपने घर लौटी, तो अपने बेडरूम में 47 वर्षीय बॉस को सिर्फ अंडरवियर में देखकर अवाक रह गई। इसके बाद महिला ने फौरन कमरे का दरवाजा बंद किया, और सीधे पुलिस को फोन घुमा दिया। पुलिस भी मौके पर पहुंची, और कुछ ही देर में आरोपी बॉस को बिल्डिंग के पास से दबोच लिया।

आरोपी ने पूछताछ में जो बताया, वो और भी दिलचस्प है। शख्स ने पुलिस को बताया कि वह महिला को पसंद करता है, और उसे करीब से जानना चाहता था। हालांकि, 'करीब से जानना' कहां तक पहुंच गया, यह जांच का विषय तो है ही। उससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह थी कि आखिर वह महिला के घर में घुसा कैसे। ये भी देखें: लड़की ने Air India की फ्लाइट में बनाई ऐसी रील, देख भड़के लोग, बोले- कुछ तो शर्म करो!

फिलहाल, पुलिस यह गुत्थी सुलझाने में जुटी है कि क्या उसने डुप्लिकेट चाबी बनवाई थी या फ्लैट के दरवाजे में ही कोई कमी थी। इसके साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि कहीं उसने महिला के बेडरूम में कोई हिडन कैमरा तो नहीं लगा रखा था।

चौंका देने वाली इस घटना ने जापान में वर्क प्लेस पर यौन उत्पीड़न की बहस को इंटरनेट पर फिर से गरमा दिया है। अधिकांश नेटिजन्स महिला के साहस की प्रशंसा कर रहे हैं, और कह रहे हैं कि उसे जॉब नहीं छोड़नी चाहिए, बल्कि आरोपी बॉस को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

एक यूजर ने कमेंट किया, अगर वह घर नहीं गई होती, तो उसे बॉस की करतूत का पता ही नहीं चलता। ये और भी भयानक हो सकता था। दूसरे यूजर ने कहा, आरोपी की नीयत ठीक नहीं है। उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। जापान में कार्यस्थल पर उत्पीड़न हाल के दिनों में काफी चर्चित विषय बन गया है। फरवरी में मासाहिरो नाकाई द्वारा यौन उत्पीड़न के मामले को सुलझाने के बाद जापानी महिलाओं ने कार्यस्थल पर उत्पीड़न की अपनी कहानियां साझा करना शुरू कर दिया।

ब्लॉग

मोदी के बहाने और भागवत कथा के मायने

ओंकारेश्वर पांडेय

संघ का मतभेद मोदी या भाजपा से नहीं मोदी की कार्यशैली से है। 2024 के चुनाव में भाजपा ने '400 पार' का नारा दिया और विपक्ष को दुश्मन की तरह देखते हुए आक्रामक प्रचार किया। मोदी ने 'मंगलसूत्र', 'घुसपैठिए' और 'बंटोगे तो कटोगे' जैसे सांप्रदायिक बयान दिए।

एक तरफ जहां देश का गोदी मीडिया खासकर टेलीविजन ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेना की बजाय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफों के पुल बांधने में लगा है, वहीं दूसरी तरफ भाजपा के भीतर बैठे कई नेता संघ प्रमुख मोहन भागवत की ओर टकटकी लगाये बैठे हैं, कि वे कब बोलेंगे। वे कम बोलते हैं। पर उनके बोलने से भाजपा हिल जाती है। और जब नहीं बोलते तो उनकी खामोशी बोलती है। हाल ही में संघ प्रमुख ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' के संदर्भ में जो प्रतिक्रिया दी है, उससे मोदी खेमा निराश है।

नागपुर में कार्यकर्ता विकास वर्ग द्वितीय के समापन समारोह को संबोधित करते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने पहलगाम हमले के बाद के घटनाक्रम पर सेना व सरकार की सराहना की। लेकिन अपनी ही पार्टी का नेता होने के बावजूद भागवत ने न तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ज़िक्र किया, न ही 'ऑपरेशन सिंदूर' या 'सीज़फायर' का, और 'हिंदू समाज' की जगह केवल 'समाज' शब्द का प्रयोग किया। यह चुप्पी और शब्दों का सावधानीपूर्वक चयन कई सवाल खड़े करता है। मोहन को मोदी का नाम लेने से परहेज क्यों। कारण आगे समझ में आयेंगे। लेकिन पहले बात अनुशासन की।

संघ के पूर्व सरसंघचालक एम.एस. गोलवलकर (गुरुजी) कहते थे, 'व्यक्ति महत्वपूर्ण नहीं है, विचार महत्वपूर्ण है।' लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद से मोदी संघ से बड़े ही नहीं बहुत बड़े होते गए। इसलिए भागवत की नाराजगी को समझना जरूरी है।

भागवत ने कहा कि, 'पहलगाम की कायरतापूर्ण आतंकवादी घटना के पश्चात पाक प्रायोजित आतंकवादियों एवं उनके समर्थक पारितंत्र पर की जा रही निर्णायक कार्रवाई के लिए भारत सरकार के नेतृत्व और सैन्यबलों का हार्दिक अभिनंदन।' उन्होंने राजनीतिक दलों व समाज की भी प्रशंसा की, पर साथ ही कहा कि 'इससे समस्या तो खत्म हुई नहीं।'

विपक्ष से लेकर रक्षा-राजनय और मीडिया विशेषज्ञ सरकार से सवाल पूछ रहे हैं। कई तो इसे मोदी सरकार का ब्लंडर भी कहने लगे हैं। दुनिया कुछ भी कहे, संघ प्रमुख का कहना मायने रखता है। और तब बहुत रखेगा, जब संघ समय पर निर्णय भी ले। मणिपुर की घटना के एक साल बाद संघ प्रमुख की प्रतिक्रिया आयी और अबतक हल नहीं निकला। भागवत के इस बयान को केवल 'ऑफ-हैंड' टिप्पणी नहीं माना जा सकता। उनका यह कहना कि ₹संकट बरकरार है₹ और ₹समस्या का समाधान नहीं हुआ,' 9 मई 2025 को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होने के बाद भागवत ने देशवासियों से सेना और सरकार का समर्थन करने की अपील की थी, लेकिन अचानक हुए युद्धविराम ने संघ को असमंजस में डाल दिया।

दशकों से भाजपा और संघ परिवार कांग्रेस पर आरोप लगाते रहे हैं कि उसने 1971 सहित कई मौकों पर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (POK) पर कब्जा नहीं किया। तो अब जबकि मोदी सरकार के समय सेना पाकिस्तान को घुटनों पर ला रही थी, तो युद्धविराम क्यों हुआ?

विपक्ष के सवाल और संघ का मौन

भागवत का बयान ऐसे समय आया है जब विपक्ष 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संसद के विशेष सत्र की मांग कर रहा है। विपक्ष के प्रमुख सवाल हैं:

- विदेश मंत्री ने ऑपरेशन शुरू होने पर पाकिस्तान को क्यों सूचित किया?
- जब सेना जीत रही थी, तो युद्धविराम क्यों?
- सीज़फायर की घोषणा अमेरिका ने क्यों की?
- ट्रंप ने 14 बार मध्यस्थता की बात कही, पर मोदी ने इसका खंडन क्यों नहीं किया?
- कश्मीर को द्विपक्षीय मुद्दा रखने की बजाय अमेरिकी मध्यस्थता क्यों मानी गई?
- क्या ऑपरेशन में राफेल समेत पांच विमान गिरे, जैसा कि दावा किया गया?

भारतीय सेना के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने एक साक्षात्कार में कहा कि विमानों की संख्या से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि वे क्यों गिरे। सरकार इन सवालों का जवाब देने से बच रही है। सवाल यह भी है कि जब पीएम मोदी ने 80 से अधिक देशों का दौरा किया, तो इस युद्ध में केवल दो-तीन देशों को छोड़कर कोई साथ क्यों नहीं आया? क्या यह विदेश नीति की नाकामी नहीं? इन मुद्दों पर भागवत का मौन बहुत कुछ कहता है।

भागवत ने इस बार अपने बयान में 'हिंदू समाज' के बजाय 'समाज' शब्द का इस्तेमाल किया। वे पहले भी कह चुके हैं कि 'मुसलमान भी हिंदू हैं और समाज का हिस्सा हैं।'

पहलगाम हमले में आतंकियों द्वारा धर्म पूछकर हत्या के नैरेटिव ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की थी। लेकिन कश्मीरी मुसलमानों ने आतंकवाद के खिलाफ रैलियां निकालकर इस नैरेटिव को ध्वस्त कर दिया। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी ने पहले मुस्लिम दुकानदारों को नेमप्लेट लगाने के आदेश दिये, तो फिर महाकुम्भ में उनके प्रवेश पर रोक भी लगायी। हालांकि मोदी-योगी के नारे, उसी संगम में तब डूब गए, जब कुम्भ के हजारों भगदड़ प्रभावितों को प्रयागराज के मुसलमानों ने अपने घरों में शरण देकर गंगा-जमुनी तहज़ीब का उदाहरण पेश किया।

यूपी में मुसलमानों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट को रोक लगानी पड़ी। मस्जिदों पर तिरपाल, मंदिर खोजने, और औरंगजेब की कब्र खोदने जैसे मुद्दों पर संघ के भैयाजी जोशी को कहना पड़ा कि 'औरंगजेब यहीं पैदा हुआ और उसकी कब्र यहीं रहेगी।'

संघ का मतभेद मोदी या भाजपा से नहीं मोदी की कार्यशैली से है। 2024 के चुनाव में भाजपा ने '400 पार' का नारा दिया और विपक्ष को दुश्मन की तरह देखते हुए आक्रामक प्रचार किया। मोदी ने 'मंगलसूत्र', 'घुसपैठिए' और 'बंटोगे तो कटोगे' जैसे सांप्रदायिक बयान दिए। भागवत समझाते रहे कि विपक्ष का भी सम्मान बराबर है। यह भी कहा कि 'हिंदुत्व कोई धर्म नहीं, बल्कि जीवन पद्धति है' और 'मुसलमान और ईसाई भी समाज का हिस्सा हैं,' लेकिन उनकी आवाजें मोदी के आक्रामक प्रचार के शोर में नक्कारखाने में तूती की तरह दब गयीं। राम मंदिर के उद्घाटन के मौके पर भी संघ प्रमुख ने राम की मर्यादा और उनके चरित्र को अपनाने की सीख दी थी। भागवत ने एक बार कहा था, ₹एक सच्चा सेवक अहंकारी नहीं होता।₹ संघ अपने शीर्ष नेता को मूल्यों, मर्यादा और अनुशासन की याद दिलाता रहा और मोदी सरकार अपने मन की बात करती रही।

उल्टे मोदी ने 11 साल में पार्टी को स्व-केंद्रित बनाया, पार्टी की बजाय 'मोदी की गारंटी' को बढ़ावा दिया। और इसे चुनाव जीतने के लिए जरूरी बताकर संघ का मुंह बंद रखा। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को जब पूर्ण बहुमत नहीं मिला, तभी से संघ भाजपा के संगठन को मजबूत करने पर जोर दे रहा है। एक और बात संघ को चुभ गई– पिछले लोकसभा चुनाव नतीजों से पहले ही भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यह कहकर सनसनी मचा दी कि भाजपा अब बड़ी और सक्षम हो चुकी है, उसे संघ के निर्देश की आवश्यकता नहीं। लोकसभा चुनाव में 240 सीटों के साथ अल्पमत में आये प्रधानमंत्री मोदी ने बिना भाजपा कार्यकारिणी की बैठक बुलाये या संघ से मशवरा किए बगैर एनडीए की बैठक बुलाकर खुद को फिर से नेता घोषित कर लिया। इसीलिए अब संघ अपने विश्वासपात्र को अध्यक्ष बनाना चाहता है, जबकि मोदी-शाह 2029 के लिए सरकार के साथ पार्टी पर पूरा नियंत्रण चाहते हैं।

मोदी ने पहले तो 'बंटोगे तो कटोगे' जैसे सांप्रदायिक नारे दिए, लेकिन ईद पर 'सौगात ए मोदी' भेजकर भाजपा समर्थकों को असमंजस में डाल दिया। यही नहीं, जो संघ सावरकर के हिंदू एकता के बुनियादी विचारों पर खड़ा है और हमेशा जाति प्रथा के साथ आरक्षण का भी विरोधी रहा है, भागवत व स्वयं मोदी भी इसके खिलाफ बोल चुके हैं, उन्हीं मोदी ने अचानक अगली जनगणना में जातियों की गणना कराने की राहुल गांधी की मांग को मंजूरी दे दी, तो समूचा संघ परिवार हिल गया। यह सावरकर समेत समूचे संघ की सोच पर हमला था। भागवत भले ही यह कहते हों कि ₹मुसलमान भी हिंदू हैं और समाज का हिस्सा हैं₹, उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि वे अब हिंदू एकता की बात नहीं करते। सवाल है कि जाति जनगणना के मोदी के फैसले के बाद संघ कार्यकर्ता अब शाखाओं में क्या कहेंगे।

संघ और मोदी-शाह के बीच एक अहम पेंच फंसा है - भाजपा के पार्टी अध्यक्ष पद के चुनाव का। यह मतभेद एक साल से जारी है। मार्च 2025 में मोदी नागपुर गए, और 30 मई को भागवत दिल्ली में मोदी से मिले, लेकिन मसला अनसुलझा रहा। मोदी ने 75 साल की उम्र में नेताओं को रिटायर करने का नियम बनाया, आडवाणी, जोशी जैसे नेता रिटायर कर भी दिये गए। अब सितंबर 2025 में मोदी खुद 75 साल के होंगे। पार्टी नेता चाहते हैं कि यह नियम उन पर भी लागू हो। लेकिन वो पद छोड़ने के मूड में नहीं। सूत्रों के मुताबिक मोदी खेमे ने भागवत को यह समझाने की कोशिश की है, कि उनकी सरकार संघ के सारे एजेंडे को पूरा कर चुकी है। बस एक पाक प्रायजित आतंकवाद का मसला बाकी है, इसलिए उन्हें सरकार के साथ पार्टी का भी पूरा नियंत्रण मिलना जरूरी है। लेकिन चूंकि पार्टी अध्यक्ष ही पार्टी के अगले प्रधानमंत्री का नाम तय करेगा, इसलिए मोदी अपनी पसंद का अध्यक्ष चुनना चाहते हैं, पर संघ अब मोदी को मौका देने के मूड में नहीं है।Nइसीलिए पार्टी अध्यक्ष का चुनाव अहम है। पार्टी अध्यक्ष तय होते ही यह भी तय हो जाएगा कि आखिरकार किसकी चली और आगे कौन बनेगा बादशाह। लेखक वरिष्ठ पत्रकार, रणनीतिकार, अनेक पुस्तकों के लेखक, रक्षा व विदेश मामलों के अध्येता और यूनेस्को से संबद्ध थिंक टैंक – गोल्डेन सिगनेचर्स के संस्थापक हैं।

होटल में प्रेमी के साथ थी महिला, पुलिस को लेकर पहुंचा पति, छत से कूदकर पत्नी फरार

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला अपने प्रेमी के साथ होटल पहुंच गई। मामला बड़ौत कोतवाली क्षेत्र का है। महिला को उसके पति ने पुलिस के साथ रंगेहाथों पकड़ने की कोशिश की, लेकिन महिला होटल की छत से कूदकर फरार हो गई। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सूत्रों के अनुसार, महिला बागपत के थाना छपरौली क्षेत्र की रहने वाली है और उसका पति से अक्सर विवाद होता था। विवाद के निपटारे के लिए एसपी कार्यालय में स्थित महिला सेल की ओर से कई बार पति-पत्नी को काउंसलिंग के लिए भी बुलाया गया। वह महिला सेल से तीसरी बार मिडिएशन करके लौट रही थी। लौटते समय महिला बागपत से बड़ौत की बस में बैठी और फिर बड़ौत पहुंचने के बाद अपने प्रेमी के साथ बाइक पर बैठकर एक होटल पहुंची, जो हॉलिडे होटल के नाम से संचालित हो रहा है।

पति ने मौके पर बुलाई पुलिस

महिला के पति ने गुप्त रूप से उसका पीछा किया और डायल 112 पर पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुला लिया। जैसे ही पुलिस होटल पहुंची, महिला घबरा गई और पकड़े जाने के डर से लगभग 12-13 फीट ऊंची होटल की छत से छलांग लगा दी। इसके बाद वह मौके से फरार हो गई। महिला के कूदने का वीडियो किसी राहगीर ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

होटल की भूमिका पर भी सवाल

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और वायरल वीडियो के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है और होटल की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। होटल ने क्या महिला और प्रेमी की आईडी का वेरिफिकेशन किया था, अगर किया था तो होटल वालों ने दोनों को कमरा कैसे दिया।

बिकरू कांड के घायल पुलिसकर्मियों को राहत नहीं, लौटाने होंगे 6 .50 लाख रुपये... क्यों लिया गया ये फैसला?

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के खौफनाक और चर्चित बिकरू कांड में घायल हुए पुलिसकर्मियों को पांच साल बाद शासन ने साढ़े छह लाख रुपये की वसूली का नोटिस जारी किया है। जांच में सामने आया कि इन पुलिसकर्मियों ने लाइफ सेविंग फंड के साथ-साथ मेडिकल खर्च का रीइंबर्समेंट भी ले लिया था। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर यह वसूली की जाएगी, जिसमें न सिर्फ बिकरू कांड के घायल पुलिसकर्मी, बल्कि कुल 27 पुलिसकर्मियों के नाम शामिल हैं।

2 जुलाई 2020 को कानपुर के बिकरू गांव में कुख्यात अपराधी विकास दुबे और उसके साथियों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया था। इस हमले में सीओ देवेंद्र मिश्रा समेत आठ पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई थी। इस एनकाउंटर में सब-इंस्पेक्टर कौशलेन्द्र सिंह, सुधाकर पाण्डेय, अजय कुमार कश्यप, हेड कांस्टेबल अजय सिंह सेंगर और सिपाही शिवमूरत निषाद गंभीर रूप से घायल हुए थे। घायल पुलिसकर्मियों को तत्काल रीजेंसी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सरकार ने उनकी मदद के लिए हर पुलिसकर्मी को 1.5 लाख रुपये नकद और ड्यूटी जॉइन करने के बाद 5 लाख रुपये का चेक दिया था।

क्या है वसूली करने की वजह?

ज्वाइंट सीपी (कानून व्यवस्था) आशुतोष कुमार ने बताया कि जीवन रक्षक निधि के तहत दी गई राशि के अलावा, पुलिसकर्मियों ने मेडिकल खर्च का रीइंबर्समेंट भी ले लिया था। जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि दोहरे लाभ की वजह से ये राशि वापस ली जाएगी। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई सिर्फ बिकरू कांड के पांच घायल पुलिसकर्मियों तक सीमित नहीं है। पुलिस मुख्यालय ने 27 पुलिसकर्मियों की लिस्ट जारी की है, जिनसे जीवन रक्षक निधि की वसूली की जानी है।

पुलिसकर्मियों में असमंजस

वसूली के नोटिस से पुलिसकर्मियों में असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। उनका कहना है कि घायल होने के बाद मिली राशि का इस्तेमाल वह अपने इलाज और परिवार की जरूरतों के लिए कर चुके हैं। अब अचानक वसूली का आदेश उनके लिए आर्थिक बोझ बन सकता है। ज्वाइंट सीपी ने स्पष्ट किया कि वसूली का प्रोसेस मुख्यालय के निर्देशानुसार होगा। पुलिसकर्मियों को नोटिस का जवाब देने और राशि जमा करने के लिए समय दिया जाएगा। इस मामले में शासन की ओर से आखिरी फैसला जल्द आने की उम्मीद है।

पिता ने जिस बेटी का किया अंतिम संस्कार, वो जिंदा वापस लौटी... उठे सवाल– चिता पर जलने वाली कौन थी?

आर्यावर्त संवाददाता

हमीरपुर। बेटी किसी और की, अंतिम संस्कार किसी और ने कर दिया, फिर व्यक्ति ने कुछ लोगों को हत्या का आरोपी बताकर उनके खिलाफ केस भी दर्ज करवा दिया... और जब अपनी बेटी जिंदा लौटी तो इलाके में हंगामा मच गया। घटना उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले की है। जिस लड़की के शव को एक व्यक्ति ने अपनी बेटी बताकर अंतिम संस्कार कर दिया था, उसकी बेटी जिंदा वापस मिल गई है। इसके बाद इलाके के लोग और पुलिस, दोनों हैरान हैं। पुलिस इन सवालों का जवाब खोज रही है कि जिसका अंतिम संस्कार हुआ, आखिरकार वो लड़की कौन थी? किसी बेटी थी? कैसे उसकी मौत हुई? उसकी हत्या हुई है या फिर कहानी कुछ और ही है? वो कहां की रहने वाली है? बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे हमीरपुर जिले के जरिया क्षेत्र से गुजरता है। एक सप्ताह पहले इसी एक्सप्रेसवे के नीचे एक लड़की की लाश मिली थी। पुलिस को वहां लाश के होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने आस-पास के इलाकों में जानकारी भेजी और शव को पहचानने की अपील की। इसी कड़ी में मुस्कुरा थाना क्षेत्र के बिहुनी गांव के रहने वाले मलखान प्रजापति आगे आए। उन्होंने शव को अपनी बेटी शिवानी प्रजापति बताया। इसके बाद पुलिस ने शव को उन्हें सौंप दिया।

मलखान ने बेटी शिवानी प्रजापति का अंतिम संस्कार कर दिया। साथ ही उन्होंने गांव के युवक मनोज अनुरागी और उसके पिता महेश अनुरागी पर अपहरण व हत्या का मुकदमा दर्ज करवा दिया। केस दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस अपने खोजबीन के काम में लगी थी। तभी शिवानी प्रजापति के जिंदा होने की खबर मिली। इसके बाद पुलिस 17 वर्षीय बेटी शिवानी को जालौन के गोहांड कस्बे से बरामद कर लिया।

शिवानी के मिलते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस महकमे से लेकर इलाके लोगों के बीच शिवानी के जिंदा वापस आने पर चर्चा शुरू हो गई। सवाल उठने लगे कि आखिर जिसका अंतिम संस्कार किया गया वो कौन थी?

मृत शिवानी कैसे हुई जिंदा

जरिया के थाना प्रभारी मयंक चंदेल ने बताया कि युवती के शव की पहचान उसके पिता ने की थी। पुलिस ने इसी के आधार पर कार्रवाई करने के बाद पिता को युवती का शव सौंप दिया था। साथ ही उनकी तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। मामले की जांच आगे बढ़ी तो शिवानी के जिंदा होने की जानकारी हाथ लगी और पुलिस ने उसे जिंदा बरामद कर परिवार को सौंप दिया। अब हाइवे पर मिली लाश किसकी थी? ये सवाल रहस्य बना हुआ है। थाना प्रभारी मयंक चंदेल ने कहा कि वास्तव में यह गलती मलखान प्रजापति की है, क्योंकि उन्होंने ही शव को अपनी बेटी का शव बताया था। इसी आधार पर शव को उन्हें सौंपा गया था। एक्सप्रेसवे के पास मिली मृतक युवती की उम्र 25 वर्ष के करीब बताई जा रही है। पुलिस को शक है कि युवती किसी दूसरे जिले की हो सकती है, जिसकी हत्या कर शव को एक्सप्रेसवे के पास फेंक दिया गया हो।

कानपुर में स्कूल की निर्माणाधीन बिल्डिंग का लेंटर गिरा, कई मजदूर घायल

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर के बर्रा थाना क्षेत्र के हरदेव नगर में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां एक निर्माणाधीन स्कूल की इमारत का लेंटर अचानक ढह गया। इस हादसे में कई मजदूर मलबे में दब गए, जिसके बाद स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्रीय लोगों ने भी बचाव कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

जानकारी के अनुसार, हरदेव नगर में बन रहे इस स्कूल भवन का निर्माण कार्य मानकों के विपरीत किया जा रहा था। स्थानीय लोगों और प्रारंभिक जांच से पता चला कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की अनदेखी इस हादसे का प्रमुख कारण हो सकती है। लेंटर के ढहने से मलबे में कई मजदूर फंस गए, जिससे घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही बर्रा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में दबे मजदूरों को निकालने का प्रयास शुरू किया। फायर ब्रिगेड की टीम ने भी त्वरित कार्रवाई करते हुए विशेष उपकरणों की सहायता से बचाव कार्य को गति दी। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद सभी मजदूरों को सुरक्षित मलबे से बाहर निकाल लिया गया। घायल मजदूरों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने निर्माण स्थल को सील कर दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में निर्माण कार्य में लापरवाही और मानकों की अनदेखी की बात सामने आई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषी ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

अंतिम संस्कार के लिए रखा था शव, तभी लाश पर गिरा 100 साल पुराना पेड़, श्मशान घाट में मची चीख–पुकार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक महिला के शव के ऊपर 100 साल पुराना पेड़ गिर पड़ा। ये घटना उस समय हुई, जब महिला के शव को अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट ले जाया गया था। श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थीं और शव रखा हुआ था कि तभी वहां खड़ा एक बड़ा पेड़ महिला के शव पर भर भराकर गिर पड़ा, जिसके बाद श्मशान घाट पर लोगों में अफरा-तफरी और चीख पुकार मच गई।

मृतक महिला का नाम नीलू कनौजिया था, जो वन विभाग की कर्मचारी थीं। उनकी मौत दो मंजिला इमारत से गिरकर हुई थी। महिला के भाई ने मामले पर जानकारी देते हुए बताया कि उनकी बहन नीलू वन विभाग कर्मचारी थीं। रविवार को वह दो मंजिला इमारत से नीचे गिर गई थीं, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था।

शव के ऊपर गिरा बड़ा पेड़

इसके बाद महिला के शव का पोस्टमार्टम हुआ और फिर महिला के शव को अंतिम संस्कार के लिए लखनऊ के भैसा कुंड श्मशान घाट (बैकुंठ धाम) ले जाया गया, जहां ये घटना घटी, श्मशान घाट में नीलू का शव प्लेटफॉर्म पर रखा था। तभी वहां पास में खड़ा एक बड़ा पेड़ तेज आवाज के साथ शव के ऊपर गिर गया। जैसे ही पेड़ गिरा मौके पर हड़कंप मच गया। शव के आसपास खड़े लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई।

पेड़ काटने में लग गए 5 घंटे

बताया जा रहा है कि ये पेड़ 100 साल पुराना था, जो तेज आवाज के साथ महिला के शव पर गिरा और शव पेड़ के नीचे दब गया। हालांकि गनीमत रही कि इस हादसे में किसी और को चोट नहीं आई। 100 साल पुराना ये पेड़ काफी बड़ा था। ऐसे में पेड़ के नीचे से शव को निकालने के लिए कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा। पेड़ को काटकर महिला के शव को 5 घंटे बाद पेड़ के नीचे से निकाला गया। नगर निगम कर्मचारी जावेद ने मामले को लेकर बताया कि पेड़ गिरने की वजह से बाउंड्री वॉल टूटकर गिर गई है। मामले की जानकारी अधिकारियों को दे दी गई है।

करेंट से झुलसा छात्र, डॉक्टर को दिखाने की बजाय 35 मिनट तक मिट्टी में दबाया, फिर क्या हुआ?

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के मूढ़ापांडे थाना इलाके में एक युवक हाईटेंशन लाइन से झुलस गया और उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान मोनीश के रूप में हुई है। मोनीश 10वीं कक्षा में पढ़ता था। मूढ़ापांडे थाना इलाके के दिल्ली लखनऊ नेशनल हाईवे के नियामतपुर इकरोटिया टोल प्लाजा के पास मोनिश अपने चार दोस्तों के साथ पेड़ पर जामुन तोड़ने के लिए चढ़ा था।

मोनीश पेड़ पर चढ़कर जामुन तोड़ रहा था कि अचानक उसका हाथ पेड़ से टकराकर वहां से गुजर रही 11000 की हाइट टेंशन लाइन पर पड़ गया। हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से वो झुलसने लगा। मोनीश को झुलसता देख उसके दोस्त अपनी जान बचाकर भाग गए। स्थानीय लोगों की नजर जब मोनीश पर पड़ी तो

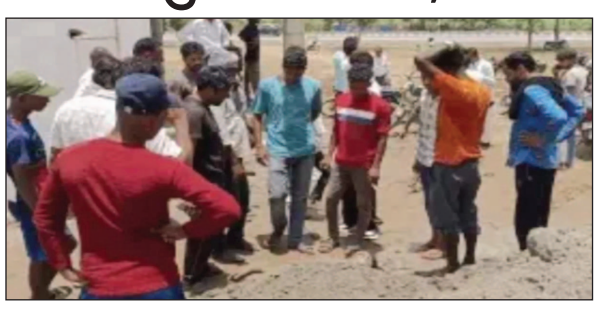

उन्होंने तत्काल विद्युत विभाग को फोन करके घटना की जानकारी दी।

युवक को लोग 35 मिनट तक मिट्टी में दबाए रहे

युवक के हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने की जानकारी जैसे ही विद्युत विभाग को मिली तो उन्होंने सप्लाई बंद कर दी। युवक करीब 10 मिनट तक लाइन से चिपका रहा। फिर स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसको उतारा, लेकिन, डॉक्टर के पास ले जाने की जगह युवक को लोग 35 मिनट तक मिट्टी में दबाए रहे। इस दौरान सिर्फ उसका चेहरा बाहर था। साथ ही पुलिस को भी इसकी सूचना दी।

पुलिस ने भिजवाया अस्पताल

पुलिस मौके पर 35 मिनट बाद पहुंची। इसके बाद पुलिस ने युवक को मिट्टी से निकालकर एम्बुलेंस से अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। मोनीश की करंट की चपेट में आने की सूचना मिलते ही उसके परिवार वाले और गांव के लोग भी दौड़कर मौके पर पहुंचे। गांव के लोगों ने बताया कि जामुन के पेड़ के ऊपर से गुजर रही 11000 वोल्ट की हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई है।

लोगों का दिखा अंधविश्वास

वहीं मुरादाबाद पुलिस मृतक के शव का पंचनामा किया है और आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है। इस मामले में अंधविश्वास भी देखने को मिला। लोगों ने युवक को अस्पताल ले जाने की बजाय 35 मिनट तक मिट्टी के ढेर में दबा कर रखा। इस लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं क्योंकि अगर लोग युवक को समय से अस्पताल ले गए होते तो शायद युवक की जान बच सकती थी।

यूपी में बिछने लगी मुस्लिम सियासत की बिसात, कांग्रेस-AIMIM के तेवर से अखिलेश यादव अलर्ट

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दो साल के बाद विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन अभी से ही मुसलमानों को लेकर राजनीतिक दलों के बीच सियासी शह-मात का खेल शुरू हो गया है। सूबे में 20 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं, जो सपा का कोर वोटबैंक माना जाता है। कांग्रेस की ओर से सांसद इमरान मसूद मुसलमानों को साधने की कवायद में जुटे हैं, तो मायावती की नजर भी मुस्लिम वोटों पर है। असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM मुस्लिमों से आस लगाए है, तो बीजेपी के अल्पसंख्यक मोर्चा ने कमान संभाल ली है।

सूबे में मुस्लिमों को लेकर बिछाई जा रही सियासी बिसात को देखते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव अलर्ट हो गए हैं क्योंकि सपा की राजनीति मुस्लिम वोटों पर ही टिकी हुई है। इमरान मसूद से लेकर मायावती और ओवैसी तक जिस तरह से सपा पर मुस्लिम समुदाय की अनदेखी करने का आरोप लगा रहे हैं, उससे अखिलेश यादव की सियासी बेचैनी बढ़ गई है। यही वजह है कि अखिलेश ने सोमवार को आनन-फानन में अपने मुस्लिम नेताओं की एक बैठक बुलाई और उनकी सभी शंकाओं को दूर करने की कवायद करते नजर आए।

अल्पसंख्यक समाज को सपा का संदेश

यूपी में 2027 की सियासी सरगर्मी बढ़ने के साथ ही मुस्लिम वोट को लेकर लामबंदी तेज हो गई है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को लखनऊ में अल्पसंख्यक मोर्चे के साथ बैठक की। इस बैठक में मुस्लिमों के खिलाफ उठाए जा रहे कदमों का जिक्र करते हुए बीजेपी व योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा गया। इसके साथ ही वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए उन्हें ठीक करवाने की बात उठाई। इसी बैठक में अखिलेश यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन था, है और रहेगा। हम हर हाल में कांग्रेस के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

यूपी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष मौलाना इकबाल कादरी ने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारे घर, मस्जिद, रोजगार सब खतरे में हैं। राज्य में नफरत की दीवार खड़ी की जा रही है, जबकि अल्पसंख्यकों की समस्याएं हाशिए पर हैं। साफ है कि पिछले चुनाव में मुस्लिम समाज का करीब 90 फीसदी वोट पाने के बावजूद सपा अपने साथ बनाए रखने के लिए अलर्ट है और किसी तरह की कोई भी रिस्क लेने के मूड में नहीं है क्योंकि विपक्षी दलों की नजर सपा के इसी मजबूत वोट बैंक पर है।

मुस्लिम वोटों पर कांग्रेस की नजर

उत्तर प्रदेश में एक समय मुस्लिम मतदाता कांग्रेस का परंपरागत वोटर हुआ करता था, लेकिन 90 के दशक के बाद से सपा के साथ खड़ा नजर आ रहा है। राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद मुस्लिमों का नजरिया कांग्रेस को लेकर बदला है। 2024 में मुस्लिमों ने एकमुश्त होकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को दिया है। सहारनपुर से कांग्रेस के टिकट पर सांसद बने इमरान मसूद ने इन दिनों मुस्लिम वोटों को कांग्रेस के साथ जोड़ने का बीड़ा उठा रखा है, जिसके लिए सपा और अखिलेश यादव को लगातार टारगेट पर ले रहे हैं। इतना ही नहीं सपा की मुस्लिम सियासत पर भी लगातार इमरान सवाल उठ रहे हैं।

इमरान 2024 के बाद से ही कह रहे हैं कि यूपी में कांग्रेस को अब किसी बैसाखी की जरूरत नहीं है। वो कहते हैं कि अखिलेश यादव मुस्लिम नेतृत्व को खत्म कर रहे हैं। इसके लिए आजम खान से लेकर इरफान सोलंकी तक के उदाहरण दे रहे हैं। इमरान ने कहा कि आजम खान और उनके परिवार पर झूठे मुकदमे लगा कर उन्हें परेशान किया जा रहा है। उन्हें और उनके परिवार को जेल भेजा जा रहा है। मुस्लिम मुद्दों पर सपा की खामोशी के लेकर भी घेरने में जुटे हैं। इमरान मसूद ने आरोप लगाया कि सपा को बोलने वाले मुसलमान नहीं, सिर्फ दरी बिछाने वाले मुस्लिम नेता चाहिए।

AIMIM की मुस्लिम वोटों से लगी आस

यूपी में 2027 की बढ़ती सियासी तपिश को देखते हुए असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM और बीजेपी ने भी मुस्लिम वोटों को साधने की कवायद तेज कर दी है। ओवैसी की AIMIM ने शनिवार को लखनऊ में राज्य स्तरीय सम्मेलन किया, जिसमें 2027 के चुनाव लड़ने की रूपरेखा बनाई गई। AIMIM के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने योगी सरकार को अल्पसंख्यक विरोधी करार देते हुए कहा कि सूबे में हर दिन मुस्लिमों के मदरसों और मस्जिदों को टारगेट किया जा रहा है, गैर-कानूनी तरीके से बुलडोजर के जरिए दरगाहों को तोड़ा जा रहा है, लेकिन अपने आपको सेकुलर कहलाने वाली सपा और कांग्रेस खामोश है।

AIMIM ने साफ कहा कि सपा को 90 फीसदी मुस्लिम वोट देते हैं, लेकिन मुस्लिमों के मुद्दे पर अखिलेश यादव की जुबान तक नहीं खुलती। AIMIM पूरे दमखम के साथ मुस्लिम और दलितों के हक की लड़ाई लड़ती रहेगी। 2026 के पंचायत और 2027 के विधानसभा चुनाव पूरी ताकत से लड़ेंगे। AIMIM ने ओवैसी के बिना सम्मेलन किया था और अब ऐसे ही प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में भी सम्मेलन करने की योजना बनाई है। AIMIM ने मिशन-2027 का आगाज कर दिया है और मुस्लिमों को जोड़ने का खास प्लान बनाया है।

बीजेपी भी डाल रही मुस्लिम पर डोरे

वहीं, मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर उत्तर प्रदेश भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने पिछले हफ्ते 'मोदी के साथ मुसलमान' सम्मेलन किया। बीजेपी के अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने कहा कि मोदी सरकार बनने के बाद मुस्लिम समाज की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आए हैं। पीएम मोदी ने केंद्र में सरकार बनाने के बाद सबसे पहले मुसलमानों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए एक हाथ में कुरान और एक हाथ में कंप्यूटर

बासित अली ने कहा कि अल्पसंख्यक का पैगाम, मोदी के साथ मुसलमान' अभियान के ज़रिए बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चे से जुड़े नेता और कार्यकर्ता यूपी के हर जिले में मुसलमानों के बीच जाकर मोदी सरकार की मुसलमानों के लिए किए गए कामों की उपलब्धियों को गिनाने का काम करेंगे। साथ ही उन्होंने विश्वास जताया कि मुसलमानों को बीजेपी के किए काम बताने से जो उन्हें भरमा के बीजेपी के खिलाफ किया गया है, वो भ्रम खत्म होगा। बासित ने कहा कि मदरसों, दरगाहों, मसज़िदों और मुसलमान बहुल इलाकों में जाकर चौपाल लगाकर मुस्लिमों को बीजेपी के साथ जोड़ने की कोशिश की जाएगी।

मुस्लिम वोटों को लेकर सपा हुई अलर्ट

यूपी में मुस्लिम वोटों को लेकर बुने जा रहे सियासी ताना बाना को देखते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव अलर्ट हो गए हैं। इसी मद्देनजर उन्होंने सोमवार को सपा अल्पसंख्यक मोर्चे की बैठक की, जिसमें सांसद इमरान मसूद को लेकर अखिलेश से सवाल किया। इसे लेकर अखिलेश यादव उनकी शंका को दूर करने की कोशिश करते नजर आए। सपा नेताओं ने अखिलेश के सामने सवाल उठाया कि इमरान मसूद के बयान से माहौल खराब हो रहा है और इमरान मसूद जिस तरह कहते हैं कि समाजवादी पार्टी में मुसलमान दरी बिछाते हैं, तो इसका जवाब हम कैसे दें। अखिलेश ने इमरान मसूद के मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए बाकायदा अपने मुस्लिम नेताओं का नाम लेकर संदेश देने की कोशिश की कि वो उन्हें नजरअंदाज नहीं कर रहे हैं।

अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी के मुस्लिम नेताओं से कहा कि आप लोग अपना काम करें। पार्टी को मजबूत करें। हमारा कांग्रेस से गठबंधन है। हमें मिल कर चुनाव लड़ना है। इमरान मसूद को लेकर हम कांग्रेस में बड़े नेताओं से बात कर लेंगे। ये कोई बड़ा मामला नहीं है। आप सब गठबंधन को जिताने में जुटिए। विधानसभा चुनाव में बीजेपी को सत्ता से हटाना है। उन्होंने कहा कि हमें फिलहाल वोटर लिस्ट पर ध्यान रखना चाहिए ताकि बीजेपी कोई गड़बड़ी न कर सके। मुस्लिम मतदाताओं से कहा कि वह चुनाव से पहले अपने नाम वोटर लिस्ट में चेक कर लें और अगर न हों तो उसे जुड़वाएं।

मुस्लिमों के मुद्दे पर मुखर नजर आए अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बहराइच और बाराबंकी में गाजी मियां के नाम पर लगने वाले मेले पर रोक लगाए जाने के लिए बीजेपी को निशाने पर लेने का काम किया। उन्होंने कहा कि बीजेपी समाज में नफरत बढ़ाने का काम कर रही है, जो हमारे भाईचारे का मेला होता था उसको भी बंद करा दिया है। मेला कारोबार का स्थान होता है, वहां गरीब लोग मेला लगाते हैं। यह मेला आपसी भाईचारे का और सद्भाव का मेला होता है, लेकिन इनको उससे भी आपत्ति है। यह जो मेला लगता है यह हजारों सालों से लगता है। मेला, मेलजोल का स्थान है। मेला हमें जोड़ता है। कारोबार हमें जोड़ता है, पर ये लोग खुशियों के खिलाफ हैं। मेले से एकता का संदेश जाता है, लेकिन इन हर चीज से भाजपा खिलाफ है। इस तरह से अखिलेश यादव ने मुस्लिमों के साथ खड़े होने की कवायद करते नजर आए हैं।

उत्तर प्रदेश में कैसी रही मुस्लिम सियासत

उत्तर प्रदेश की सियासत में मुसलमानों को लेकर सियासी दलों ने अपनी-अपनी चाल चलनी शुरू कर दी है। यूपी में करीब 20 फीसदी मुस्लिम वोटर हैं, जो सूबे की कुल 403 विधानसभा में से लगभग एक तिहाई यानी 143 विधानसभा सीटों पर असर रखते हैं। यूपी की 43 सीटों पर मुस्लिम वोटों का ऐसा असर है कि मुस्लिम उम्मीदवार यहां अपने दम पर जीत हासिल कर सकते हैं। इन्हीं सीटों पर मुस्लिम विधायक जीतकर आते रहे हैं। 2017 के चुनाव में 24 मुस्लिम विधायक जीतकर आए थे, तो 2022 में 34 मुस्लिम जीते हैं।

बता दें कि आजादी के बाद से नब्बे के दशक तक उत्तर प्रदेश का मुस्लिम मतदाता कांग्रेस का परंपरागत वोटर रहा है, लेकिन राममंदिर आंदोलन के चलते मुस्लिम समुदाय कांग्रेस से दूर हुआ तो सबसे पहली पंसद मुलायम सिंह यादव के चलते सपा बनी और उसके बाद समाज ने बसपा को अहमियत दी। इन्हीं दोनों पार्टियों के बीच मुस्लिम वोट बंटता रहा, लेकिन 2022 चुनाव में एकमुश्त होकर सपा के साथ गया। मुसलमानों का सपा के साथ एकजुट होने का फायदा अखिलेश यादव को मिला। इसी का नतीजा था कि सपा 47 सीटों से बढ़कर 111 सीटों पर पहुंच गई थी और 2024 में सपा 37 सीटें जीतने में कामयाब रही। सीएसडीएस की रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में 83 फीसदी मुस्लिम सपा को वोट दिया था। बसपा और कांग्रेस के मुस्लिम उम्मीदवारों को भी मुसलमानों ने वोट नहीं किया था। इतना ही नहीं, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी को भी मुस्लिमों ने नकार दिया था। इसके बाद साल 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में मुस्लिम समुदाय ने कांग्रेस-सपा गठबंधन को 90 फीसदी वोट दिया है। सपा 37 और कांग्रेस 6 लोकसभा सीटें जीतने में कामयाब रही। इसी को देखते हुए सपा मुस्लिम वोटों को लेकर किसी तरह का कोई बंटवारा नहीं चाहती है, जिसके लिए अखिलेश यादव ने साफ कहा कि 2027 में भी सपा का कांग्रेस के साथ गठबंधन बरकरार रहेगा।

क्या वाकई शरीर में सूजन को कम करती है एंटी-इंफ्लेमेटरी डाइट? एक्सपर्ट से जानें

आजकल एंटी-इंफ्लेमेटरी डाइट काफी लोकप्रिय है। इससे शरीर की सूजन को कम किया जाता है। लेकिन यह डाइट किन लोगों के लिए फायदेमंद है और डाइट के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। आइए जानते हैं इसके बारे में एक्सपर्ट की राय

आज के समय में ज्यादातर बीमारियां व्यक्ति के अनहेल्दी लाइफस्टाइल और गलत खान-पान के कारण बढ़ रही हैं। इसलिए अब लोगों ने अपनी डाइट और लाइफस्टाइल पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। वह रोजाना एक्सरसाइज करते हैं, वहीं कुछ लोग अपनी डाइट में पॉजिटिव बदलाव करते हैं। इस समय अलग-अलग तरह की डाइट काफी ट्रेंड में रहती है।

कीटो, इंटरमिटेंट फास्टिंग और लो कार्ब डाइट के अलावा भी आजकल कई डाइट ट्रेंड में है, इसमें से एक एंटी-इंफ्लेमेटरी डाइट भी है। कहा जाता है कि इस डाइट से शरीर में हो रही सूजन को कम करने में मदद मिलती है। क्योंकि सूजन भी मोटापे या बीमारी की वजह हो सकती है। ऐसे में क्या सही एंटी-इंफ्लेमेटरी डाइट शरीर में सूजन कम करती हैं... इसके बारे में जानते हैं एक्सपर्ट से

एंटी-इंफ्लेमेटरी डाइट

अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल में सीनियर कंसल्टेंट ऑर्थोपेडिक्स डॉक्टर अभिषेक मिश्रा ने बताया कि एंटी-इंफ्लेमेटरी डाइट आजकल बहुत लोकप्रिय हो रही है, खासकर जोड़ों के दर्द, हार्ट डिजीज, डायबिटीज और ऑटोइम्यून रोगों से जूझ रहे लोगों के लिए। इसमें शरीर की सूजन को कम करने वाला खानपान शामिल होता है। इस डाइट में ताजे फल, हरी सब्जियां, नट्स, बीज, ओमेगा-3 फैटी एसिड (जैसे मछली या अलसी के बीज) और साबुत अनाज को शामिल किया जाता है। ये सभी चीजें शरीर में मौजूद सूजन पैदा करने वाले तत्वों को कम करती हैं और इम्यून सिस्टम को सही रखने में मदद करती हैं।

इसके चलते शरीर को लंबे समय तक हेल्दी रखने, वजन को बैलेंस रखने और एनर्जी बढ़ाने में यह डाइट मदद कर सकती हैं। लेकिन हर चीज की तरह इसके भी कुछ नुकसान हो सकते हैं, खासकर अगर इसे बिना किसी विशेषज्ञ की सलाह के अपनाया जाए। कई बार लोग जरूरी पोषक तत्व जैसे प्रोटीन या कैल्शियम की मात्रा कम कर देते हैं, जिससे कमजोरी या थकान हो सकती है। इसके अलावा, कुछ लोगों को अचानक डाइट में बदलाव से गैस, अपच या एलर्जी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

एक्सपर्ट की सलाह है कि अगर कोई व्यक्ति एंटी-इंफ्लेमेटरी डाइट शुरू करना चाह रहा है है, तो पहले किसी न्यूट्रिशन एक्सपर्ट या डॉक्टर से जरूर सलाह लें। साथ ही इस डाइट को फॉलो करते हुए यह न भूलें कि प्रोसेस्ड फूड, चीनी और ट्रांस फैट से दूरी बनाए रखना जरूरी है। भरपूर मात्रा में पानी पीना, नींद पूरी करना और नियमित रूप से हल्की फिजिकल एक्टिविटी करना भी डाइट के साथ बहुत जरूरी होता है। सिर्फ खान-पान ही नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल को सही रखने से भी आप हेल्दी रह सकते हैं।

लाइफस्टाइल में करें ये बदलाव

प्रोसेस्ड और जंक फूड से बनाएं दूरी

एक्सपर्ट से बताया कि डाइट के साथ ही आपको प्रोसेस्ड और जंक फूड से दूरी बनानी चाहिए। ज्यादा मसालेदार, तला हुआ, रिफाइंड शुगर, रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट, और ट्रांस फैट वाले स्नैक्स शरीर में सूजन को बढ़ा सकते हैं। इसलिए इन सब चीजों को खाने से परहेज करें। खासकर जब आप किसी तरह की डाइट फॉलो कर रहे हैं।

सही मात्रा में पानी पीना

पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है। इसलिए एक व्यक्ति को दिन में 8 से 10 गिलास यानी कि 2 से 3 लीटर पानी पीने की सलाह दी जाती है। वहीं मौसम और व्यक्ति के काम पर भी यह निर्भर करता है जैसे कि कोई अगर धूप में रहता है और ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी करता है, तो उन्हें अपने शरीर की जरूरत के मुताबिक ज्यादा पानी पीना चाहिए।

खाने का समय और मात्रा

खाना खाने के साथ ही सही समय पर खाना बहुत जरूरी होता है। इसलिए खाने एक समय निर्धारित करेंऔर बैलेंस में खाने की कोशिश करनी चाहिए। ओवरइटिंग करने से बचना चाहिए। क्योंकि ओवरइटिंग के कारण पेट से जुड़ी समस्या जैसे कि ब्लोटिंग और गैस हो सकती है।

फिजिकल एक्टिविटी

एक्सपर्ट का कहना है कि फिजिकल एक्टिविटी रहना भी बहुत जरूरी है। इससे मांसपेशियों को सही रखने और शरीर में एनर्जी के अलावा भी हमारी ओवर ऑल हेल्थ के लिए जरुरी होता है। इसलिए आप अपने मुताबिक नियमित रूप से व्यायाम कर सकते हैं। आप सैर या फिर कोई हल्की एक्सरसाइज कर सकते हैं।

सही नींद

इसके साथ ही रोजाना नींद पूरी करना भी बहुत जरूरी है। आजकल लोग रात में बैठे मोबाइल का उपयोग करते रहते हैं, देर से सोते हैं और सुबह अपने काम पर जाने के लिए जल्दी उठ जाते हैं। लेकिन रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद पूरी करना बहुत जरूरी होता है। इसलिए जल्दी सोने का प्रयास करें और नींद पूरी करें।

डिहाइड्रेशन भी हो सकता है बालों के झड़ने का कारण, ये नुस्खे अपनाने से मिलेगी मदद

नमी बढ़ाने वाले उत्पादों का करें इस्तेमाल

बालों को स्वस्थ रखने और उनके झड़ने की समस्या को कम करने के लिए उनकी सही तरह देखभाल करना बहुत जरूरी है।

अगर आप अच्छी गुणवत्ता वाले शैंपू, कंडीशनर और सीरम आदि इस्तेमाल करेंगे, तो भी आपके बाल हाइड्रेट हो जाएंगे।

बालों को हाइड्रेटेड रखने के लिए हयालूरोनिक एसिड, ग्लिसरीन और एलोवेरा जैसे तत्वों से लैस उत्पादों का उपयोग करें, जो नमी को बनाए रखते हैं और बालों का टूटना भी कम कर देते हैं।

हाइड्रेटिंग हेयर मास्क बनाकर लगाएं

आपको हफ्ते में एक बार अपने बालों पर एक हाइड्रेटिंग मास्क लगाना चाहिए, जो उन्हें गहराई तक पोषण देगा और उनका झड़ना भी कम करेगा।

शिया बटर, नारियल तेल और एलोवेरा जैसे तत्वों वाला हेयर मास्क बालों को नमी प्रदान करेगा। आप घर पर केले और नारियल तेल, एवोकाडो और दही या शिया बटर और एलोवेरा का मास्क बनाकर लगा सकते हैं।

आप केले से ये 5 हाइड्रेटिंग हेयर मास्क तैयार कर सकते हैं।

डिहाइड्रेट करने वाले पेय न पियें

गर्मी के मौसम में लोग प्यास बुझाने और ठंडक पाने के लिए कोल्ड ड्रिंक जैसे पेय पी लेते हैं। हालांकि, ये पेय शरीर को हाइड्रेट करने के बजाय डिहाइड्रेट करने का काम करते हैं।

आपको कॉफी, चाय, सोडा और कोल्ड ड्रिंक जैसे पेय नहीं पीने चाहिए, क्योंकि ये पानी की कमी का कारण बनते हैं। इनके सेवन से न केवल आप बीमार महसूस करेंगे, बल्कि आपके बाल भी झड़ने लग जाएंगे।

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। पानी की कमी यानि डिहाइड्रेशन होने पर कई परेशानियां खड़ी होती हैं। हालांकि, डिहाइड्रेशन को अब बालों के झड़ने की समस्या के साथ भी जोड़ा जाने लगा है। पानी की कमी होने पर बाल रूखे हो जाते हैं और उनमें ऑक्सीजन का संचार कम हो जाता है।

इस कारण बाल झड़ते हैं और पतले हो जाते हैं। आप ये टिप्स अपनाकर बालों की देखभाल कर सकते हैं।

पानी का सेवन बढ़ाएं

डिहाइड्रेशन की समस्या से निपटने का सबसे आसान तरीका है ढेर सारा पानी पीना। आपको रोजाना कम से कम 8 गिलास पानी पीना ही चाहिए।

हालांकि, आपकी उम्र, वजन और गतिविधियों के आधार पर आपकी पानी की जरूरत कम या ज्यादा भी हो सकती है।

अगर आप रोजाना एक्सरसाइज करते हैं तो आपको पानी के साथ-साथ नारियल पानी जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त पेय भी पीने चाहिए।

आप गर्मियों में इन आसान टिप्स के जरिए पानी का सेवन बढ़ा सकते हैं।

हाइड्रेटिंग खाद्य पदार्थ खाएं

बालों को अच्छी तरह हाइड्रेट करने के लिए केवल पानी पीना ही काफी नहीं होगा। इसके लिए आपको अपनी डाइट में हाइड्रेटिंग खाद्य पदार्थ भी शामिल करने होंगे।

तरबूज, खरबूजा, आम, लीची और संतरे जैसे पानी से भरपूर फलों को अपने खान-पान का हिस्सा जरूर बनाएं। इनके साथ-साथ खीरा, सलाद पत्ता और ककड़ी जैसी सब्जियों का सेवन भी बढ़ा लें।

साथ ही बालों को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर खाद्य पदार्थ भी खाएं।

जगन्नाथ मंदिर जा रहे हैं, तो आस-पास की इन 5 जगहों को भी जरूर करें एक्सप्लोर

ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को समर्पित है।यहां भक्त दूर-दूर से दर्शन के लिए पहुंचते हैं। हर साल श्री जगन्नाथ रथयात्रा का आयोजन बहुत ही धूम-धाम से किया जाता है। इस बार रथ यात्रा की शुरुआत 27 जून 2025 से हो रही है। इस दौरान यहां बहुत भीड़ देखने को मिलती है। अगर आप भी यात्रा में शामिल होने के लिए पूरी जाने की योजना बना रहे हैं, तो आप मंदिर के पास स्थित इन खूबसूरत जगहों को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

यहां आपको प्रकृति के सुंदर दृश्य के बीच अपनों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। इसलिए आप आप रथ यात्रा के दौरान या फिर कभी भी पूरी जाने का प्लान बना रहे हैं, तो मंदिर के पास स्थित इन जगहों को भी आप एक्सप्लोर कर सकते हैं।

पुरी बीच

पुरी के श्रद्धालु और पर्यटक यहां पवित्र स्नान के लिए आते हैं। जगन्नाथ मंदिर के पूरी बीच की दूरी लगभग 1 से 2 किलोमीटर के बीच है। पुरी बीच को "गोल्डन बीच" भी कहा जाता है क्योंकि सूर्योदय और सूर्यास्त के समय यहां का दृश्य बहुत की मनमोहक होता है। यह स्थल न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि पर्यटकों के लिए काफी शांतिपूर्वक जगहों में से एक है। हालांकि रथ यात्रा के दौरान यहां पर भक्तों की भारी भिड़ देखने को मिलती है।

चिल्का झील

चिल्का झील एक बहुत ही मनमोहक जगह है, जगन्नाथ मंदिर से ये जगह लगभग 40 से 50 किमी की दूरी पर है। टैक्सी से जरिए यहां पर आसानी से पहुंचा जा सकता है। भारत की सबसे बड़ी तटीय झीलों में से एक है। सर्दियों में इस झील के आसपास हजारों की संख्या में प्रवासी पक्षी आते हैं। साइबेरिया पक्षी भी इस दौरान यहां आते हैं। यहां पर आपको बोटिंग करने का अवसर मिल सकता है। चिल्का झील के पास ही नलबाना पक्षी अभयारण्य स्थित है।

कोणार्क सूर्य मंदिर

कोणार्क सूर्य मंदिर पुरी में ही स्थित है और यह जगन्नाथ मंदिर लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित है। आप यहां भी दर्शन के लिए जा सकते हैं। यह अपने नक्काशी के लिए काफी प्रसिद्ध है। इस प्रसिद्ध को सूर्य देव के रथ के रूप में बनाया गया है, जिसमें लगभग 24 पहिए और 7 घोड़े हैं।मंदिर की दीवारों पर पहियों और घोड़ों की नक्काशी बहुत ही मनमोहक लगती है।

सुदर्शन क्राफ्ट म्यूजियम

यह पूरी जंक्शन से लगभग 2 किमी की दूरी पर स्थित है।यह शनिवार और रविवार बंद रहता है और बाकी के दिन सुबह 8:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक और दोपहर 2:00 बजे से शाम 8:00 बजे तक खुलता है। जो लोग कला में बहुत रुचि रखते हैं उनके लिए यह सही जगह हैं। संग्रहालय में मौजूद लकड़ी की कलाकृतियां और मूर्तियाँ, नक्काशीदार पत्थर, पेंटिंग और हस्तशिल्प की वस्तुएं बहुत सी सुंदर लगते हैं, जो देखने लायक है। यहां की एंट्री फीस भारतीयों के लिए 5 रुपये और विदेशी नागरिकों के लिए 50 रुपये है।

सब्जी और तेल से ज्यादा, चॉकलेट पर खर्च कर रहा है इंडिया, ये रहा सबूत

देश वासियों ने साल 2023-24 में सब्जी और तेल वसा के मुकाबले चीनी, जेम और चॉकलेट पर खर्च किया है। देश का आम आदमी किस चीज पर कितना खर्च कर रहा है। इससे पर सीएमआईई की एक रिपोर्ट आई है, जिसमें यह खुलासा हुआ है।

देश के लोगों ने साल 2023-24 में सब्जी, तेल वसा से ज्यादा चॉकलेट पर खर्च किया है। जी हां। हाल ही में सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी की रिपोर्ट आई है, जिसमें आकड़े एकदम चौंकाने वाले हैं। साल 2023-24 में देश की आम जनता ने किस चीज पर ज्यादा खर्च किया इसको लेकर आई सीएमआईई की रिपोर्ट के मुताबिक, लोग सब्जी और तेल ज्याजा चीनी, जेम और चॉकलेट पर खर्च कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023-24 में देश को लोगों ने जहां तेल वसा पर 2। 45 लाख करोड़ रुपये और सब्जी पर 5.95 लाख करोड़ रुपये खर्च किए है। वहीं, इसी दौरान चीनी, जेम, चॉकलेट खरीदने में लोगों ने 6.60 लाख करोड़ खर्च कर दिए। चॉकलेट की खरीदारी पिछले साल, 2022-23 के मुकाबले बढ़ी है। जहां 2022-23 में आंकड़ा 5.51 लाख करोड़ रुपये था। वह साल 2024 में चीनी, जेम और चॉकलेट पर खर्च 19.67 प्रतिशत बढ़ गया है।

इन चीजों पर किया खर्च

CMIE की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, साल 2023-24 में देशवासियों ने अपनी आय का बड़ा हिस्सा कपड़ों की तुलना में शराब पर अधिक खर्च किया। आंकड़ों के मुताबिक, इस अवधि में कपड़ों पर खर्च 7.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल (2022-23) के 7.60 लाख करोड़ रुपये से कम है। दूसरी ओर, शराब (एल्कोहल ड्रिंक्स) पर खर्च 26% बढ़कर 0.95 लाख करोड़ रुपये से 1.20 लाख करोड़ रुपये हो गया।

रिपोर्ट बताती है कि लोगों ने 2023-24 में अनाज, दाल, दूध, अंडे, चीज, फल और सब्जियों जैसे जरूरी सामानों पर खर्च बढ़ाया। इसके अलावा, चॉकलेट, चीनी और जैम जैसी वस्तुओं पर खर्च में 19.78% की बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही स्वास्थ्य पर खर्च भी 18.75% बढ़ा है। कुल उपभोक्ता खर्च 9.72% बढ़कर 181.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हालांकि, कुछ आंकड़े चौंकाने वाले हैं। तेल और वसा (fats) पर खर्च में 19.67% की कमी आई, जबकि बीमा प्रीमियम पर खर्च 3.39% घटा। इंटरनेट और संचार पर खर्च में 8% की बढ़ोतरी देखी गई, लेकिन मनोरंजन पर खर्च 1.38% कम हुआ। 0

एसबीआई क्रेडिट कार्ड धारकों को झटका, 15 जुलाई से नहीं मिलेगा एयर इंश्योरेंस का पैसा

एसबीआई कार्ड के इन बदलावों का सीधा असर लाखों कार्डधारकों पर पड़ेगा। जहां एक ओर बीमा कवर की समाप्ति से सुरक्षा कम होगी, वहीं दूसरी ओर भुगतान शर्तों में सख्ती से यूजर्स को अधिक वित्तीय अनुशासन अपनाना पड़ेगा।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की सहायक कंपनी एसबीआई कार्ड ने अपने क्रेडिट कार्ड उपभोक्ताओं के लिए नीतिगत बदलावों की घोषणा की है, जो 15 जुलाई 2025 से लागू होंगे। इन बदलावों का असर बीमा सुरक्षा और भुगतान से जुड़ी शर्तों पर पड़ेगा। एसबीआई कार्ड के अनुसार यह फैसला कार्ड से जुड़े जोखिम और वित्तीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए लिया है।

हवाई दुर्घटना बीमा लाभ समाप्त

एसबीआई कार्ड द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार, SBI Card ELITE, SBI Card Miles ELITE और SBI Card Miles Prime जैसे प्रीमियम कार्ड्स पर मिलने वाला 1 करोड़ रुपए का कॉम्पलीमेंट्री एयर प्लेन एक्सीडेंट 15 जुलाई 2025 से बंद कर दिया जाएगा। इसी तरह, SBI Card PRIME और SBI Card PULSE पर उपलब्ध 50 लाख रुपए तक का मुफ्त बीमा कवर भी समाप्त किया जा रहा है।

सह-ब्रांडेड कार्ड पर भी असर

यह बदलाव केवल एसबीआई के मुख्य कार्ड्स तक सीमित नहीं है। 11 अगस्त 2025 से UCO Bank SBI Card ELITE और Central Bank of India SBI Card ELITE जैसे सह-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड्स पर भी 1 करोड़ रुपए तक का एयर एक्सीडेंट कवर बंद कर दिया जाएगा।

इसके अलावा, UCO Bank SBI Card PRIME, Central Bank of India SBI Card PRIME, Karnataka Bank SBI Platinum Card, और Federal Bank SBI Platinum Card जैसे कार्ड्स से 50 लाख रुपए तक का बीमा लाभ हटाया जाएगा।

न्यूनतम देय राशि (MAD) में बदलाव

एसबीआई कार्ड ने न्यूनतम देय राशि की गणना के नियमों में भी बदलाव किया है। 15 जुलाई 2025 से लागू होने वाले नए फॉर्मूले के अनुसार, अब MAD में शामिल होगा।

100% GST
सभी ईएमआई बकाया
फाइनेंस चार्ज और अन्य शुल्क
ओवरलिमिट अमाउंट
और शेष बकाया राशि का अतिरिक्त 2%
इस नए ढांचे का उद्देश्य समय पर और अधिक प्रभावी भुगतान को सुनिश्चित करना है, जिससे उपभोक्ता अधिक जिम्मेदारी से अपने क्रेडिट कार्ड का उपयोग करें। एसबीआई कार्ड के इन बदलावों का सीधा असर लाखों कार्डधारकों पर पड़ेगा। जहां एक ओर बीमा कवर की समाप्ति से सुरक्षा कम होगी, वहीं दूसरी ओर भुगतान शर्तों में सख्ती से उपभोक्ताओं को अधिक वित्तीय अनुशासन अपनाना पड़ेगा। यूजर्स को सलाह दी जाती है कि वे समय रहते अपने कार्ड लाभों की समीक्षा करें और जरूरत पड़ने पर वैकल्पिक बीमा योजनाएं अपनाएं।

अमिताभ कांत का जी-20 शेरपा पद से इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमिताभ कांत ने भारत के जी20 शेरपा के पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे अमिताभ कांत का सरकारी सेवा में उनका 45 साल का करियर खत्म हो गया है। नीति आयोग के पूर्व सीईओ, जिन्होंने 2022 से जी20 में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 2023 में इसकी अध्यक्षता के दौरान अहम भूमिका निभाई है।

अमिताभ कांत ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब वह व्यक्तिगत क्षमता में स्टार्टअप, थिंक टैंक और शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ेंगे।

पोस्ट में कहा गया है कि मेरे मंत्रियों-निर्मला सीतारमण और डॉ। एस। जयशंकर और प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी। के। मिश्रा- मैं आपके मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आभारी हूं। मेरे सभी सहयोगियों, मार्गदर्शकों और मित्रों- आपकी प्रेरणा के लिए धन्यवाद। अब मैं मुक्त उद्यम, स्टार्टअप, थिंक टैंक और शैक्षणिक संस्थानों का समर्थन करके विकसित भारत की ओर भारत की परिवर्तनकारी यात्रा की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

कांत नीति आयोग के सबसे लंबे समय तक सीईओ रहे, फरवरी 2016 से जून 2022 तक छह साल से अधिक समय तक इस पद पर रहे, जुलाई 2022 में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के बाद भारत के जी20 शेरपा नियुक्त किए जाने से पहले। उनकी पिछली भूमिकाओं में औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग के सचिव (2014-16) और पर्यटन मंत्रालय में संयुक्त सचिव (2001-07) शामिल हैं।

कांत की लिंक्डइन पोस्ट में कहा गया है कि 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता का नेतृत्व करना मेरे करियर में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था। जटिल वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, हमने नई दिल्ली के नेताओं के घोषणापत्र पर सर्वसम्मति हासिल की और प्रमुख विकासात्मक मुद्दों पर फिर से ध्यान केंद्रित किया।

'जो खुद से निकल सकते हैं निकल जाइए', तेहरान में फंसे भारतीयों से एंबेसी की अपील

यरुशलम, एजेंसी। इजराइल और ईरान के बीच छिड़े युद्ध के चलते ईरान में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इसी के चलते भारतीय एंबेसी ने मंगलवार को अपने नागरिकों से अपील की है। ईरान में भारतीय दूतावास ने मंगलवार को तेहरान में सभी भारतीय नागरिकों और सार्वजनिक सूचना अधिकारियों (पीआईओ) को सलाह दी है कि जो लोग खुद से शहर के बाहर सुरक्षित स्थान पर जा सकते हैं वो निकल जाए।

एंबेसी ने तेहरान में उन भारतीयों को भी निर्देश दिया है जो उनसे संपर्क नहीं कर पाए हैं, एंबेसी ने कहा, जो भारतीय अभी तक हम से संपर्क नहीं कर पाए हैं वो तुरंत संपर्क करें। भारतीय विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान में 10 हजार 765 भारतीय नागरिक रहते हैं।

छात्रों को बाहर निकाला गया

एंबेसी ने कहा, तेहरान में भारतीय छात्रों को दूतावास की तरफ से सुरक्षा के चलते शहर से बाहर निकाला गया है। साथ ही बाकी भारतीय नागरिक जो परिवहन के मामले में आत्मनिर्भर हैं, उन्हें भी हालातों को देखते हुए शहर से बाहर जाने की सलाह दी गई है। साथ ही, भारतीयों को आर्मेनिया की सीमा के जरिए से ईरान छोड़ने की सुविधा दी गई है। दूतावास हर संभव सहायता देने के लिए लोगों से लगातार संपर्क में है। हालात को देखते हुए आगे के लिए सलाह जारी की जा सकती है।

एंबेसी ने हेल्पलाइन नंबर किया जारी

एंबेसी ने पोस्ट में लिखा, सभी भारतीय नागरिक जो तेहरान में हैं और दूतावास के संपर्क में नहीं हैं, उनसे अनुरोध है कि वो तुरंत तेहरान में भारतीय दूतावास से संपर्क करें और अपनी लोकेशन और संपर्क नंबर दें। इसी के साथ दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर भी शेयर किए। +989010144557; +989128109115; +989128109109

इसके अलावा, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि इजराइल और ईरान दोनों में 24×7 कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने दी चेतावनी

एंबेसी ने लोगों को तेहरान को खाली करने की सलाह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के बाद दी है। ट्रंप ने ईरान की राजधानी तेहरान को तुरंत खाली करने की चेतावनी जारी की है। इसी के बाद भारतीय दूतावास ने भी लोगों को तेहरान से सुरक्षित जगह जाने के लिए कहा है।

इस बीच, इजराइल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दोनों देशों के बीच चल रहे संघर्ष को लेकर कहा, अयातुल्ला खामेनेई की हत्या से युद्ध नहीं बढ़ेगा बल्कि समाप्त हो जाएगा।

ईरान-इजराइल के बीच बढ़ा तनाव

ईरान और इजराइल के बीच यह युद्ध शुक्रवार को शुरू हुआ। इजराइल ने ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। इजराइल ने ईरान पर ड्रोन और मिसाइल बरसाई। दरअसल, ईरान तेजी से परमाणु शक्ति बनने की जद्दोजहद कर रहा है और इजराइल का कहना है कि वो ईरान को परमाणु ताकत नहीं बनने देगा।

इजराइल के अटैक के बाद ईरान ने भी उस पर अटैक किया। इसी के बाद दोनों देशों के बीच वार-पलटवार का सिलसिला जारी है। मंगलवार को दोनों के बीच शुरू हुआ विवाद पांचवें दिन में पहुंच गया है। लेकिन तनाव कम होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। सोमवार की रात, इजराइल ने तेहरान पर कई हवाई हमले किए, जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजराइल की राजधानी तेल अवीव और उत्तरी शहर हाइफा पर बमबारी की। अब तक, इजराइली हमलों में 224 ईरानी मौतें और 1,481 घायल हुए हैं। दूसरी ओर, ईरान के जवाबी हमलों में 24 इजराइलियों की जान चली गई और 600 से अधिक घायल हो गए हैं।

ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा... इजराइल को भी गीदड़भभकी देने लगा पाकिस्तान?

यरुशलम, एजेंसी। पाकिस्तान का दूसरे देशों की लड़ाई में टांग अड़ाना के इतिहास रहा है। इस समय ईरान इजराइल का संघर्ष चरम पर है और पाकिस्तान इसमें घुसने की फिराक में है। पाकिस्तान विदेश मंत्री इशाक डारने इजराइल को धमकी देते हुए कहा, इजराइल ने अगर पाकिस्तान की तरफ आंख उठाकर देखा, तो 'ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा।'

इशाक डार ने कहा है कि इजराइल को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पाक सेना पूरी तरह तैयार है। इसके अलावा उन्होंने इस लड़ाई में ईरान के समर्थन की बात कही है। हालांकि पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने सोमवार को ऑनलाइन वायरल हो उस वीडियो क्लिप को 'मनगढ़ंत' करार दिया है, जिसमें एक ईरानी जनरल कह रहे हैं कि इस्लामाबाद ने तेहरान को आश्वासन दिया था कि यदि इजराइल ने ईरान पर परमाणु हमला किया तो पाकिस्तान उस पर परमाणु हमला कर देगा। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मोगादम के साथ बैठक के दौरान शहबाज शरीफ ने ईरान के खिलाफ हाल ही में इजराइल की आक्रामकता की पाकिस्तान की कड़ी निंदा दोहराई और क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच ईरानी लोगों और सरकार के साथ एकजुटता व्यक्त की है। इससे पहले शहबाज शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन टेलीफोन पर बातचीत की थी, जिसमें पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि की थी। शरीफ ने इस बात पर जोर दिया कि ईरान पर इजराइल के हमले संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतर्राष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन है।

ईरान बनने की राह पर तुर्किए, एर्दोआन ने कहा- खूब मिसाइल बनाओ

तेल अवीव, एजेंसी। मध्य पूर्व में इजराइल-ईरान के बीच चल रहे संघर्ष को लेकर तुर्किए ने अब अपना रुख और ज्यादा साफ कर दिया है। राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप एर्दोआन ने सोमवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि तुर्किए अब अपनी छोटी और लंबी दूरी की मिसाइलों का उत्पादन तेजी से बढ़ाएगा। एर्दोआन का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब पूरा क्षेत्र युद्ध की आग में झुलस रहा है और कई देश इस टकराव से खुद को बचाने की जद्दोजहद में लगे हैं।

कैबिनेट बैठक के बाद टीवी पर संबोधन में एर्दोआन ने कहा कि बहुत कम समय में हम ऐसी रक्षा क्षमता हासिल कर लेंगे जिसे चुनौती देने की कोई हिम्मत नहीं करेगा। उन्होंने साफ किया कि तुर्किए अब अपनी मिसाइलों के जखीरे को 'डिटरेंस लेवल' तक ले जाने की तैयारी में है।

इस बयान से ये भी साफ हो गया कि तुर्किए सिर्फ क्षेत्रीय राजनीति में मध्यस्थता की भूमिका में नहीं रहना चाहता, बल्कि खुद को एक बड़ी सैन्य ताक़त के रूप में स्थापित करने के रास्ते पर चल पड़ा है।

"तुर्किए बना सकता है पुल, हम मध्यस्थता को तैयार"

हालांकि एर्दोआन ने अपने संबोधन में ये भी कहा कि उनका देश इस वक्त ईरान और इजराइल के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के लिए सक्रिय डिप्लोमेसी में जुटा है। उन्होंने कहा है कि हमने अपने समकक्षों को स्पष्ट रूप से बताया है कि तुर्किए मध्यस्थता समेत जो भी ज़रूरी हो, करने को तैयार है। विदेश मंत्री हाकान फिदान भी लगातार संबंधित पक्षों के संपर्क में हैं। लेकिन इसके साथ ही एर्दोआन ने इजराइल पर तीखा हमला बोला और उसके इरादों पर सवाल खड़े किए।

"इजराइल खुद अपनी तबाही की ओर बढ़ रहा है"

एर्दोआन ने इजराइल के हमलों को धोखे की आड़ में की जा रही कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा कि हर ज़ुल्म, हर खून की बूंद और हर मानवता विरोधी अपराध के साथ इजराइल अपने ही वजूद और भविष्य को दांव पर लगा रहा है। उन्होंने चेताया कि जो देश जमीनी सच्चाइयों को नजरअंदाज कर क्षेत्र में कदम उठाते हैं, वे अक्सर विनाश की ओर बढ़ते हैं। और यह विनाश आमतौर परपतन के साथ खत्म होता है।

बड़े खिलाड़ी निकले इमैनुएल मैक्रों, फ्रांस बुलाकर इजराइल की कर दी बेइज्जती

पेरिस, एजेंसी। ईरान जंग 24 घंटे में ही इजराइल को लेकर फ्रांस ने यूटर्न ले लिया है। रविवार (15 जून) को इजराइल के अटैक को जहां फ्रांस ने सही ठहराया था। वहीं एक दिन बाद यानी 16 जून को फ्रांस ने इजराइल को बड़ा झटका दे दिया। इजराइल को यह झटका पेरिस के एयर शो में फ्रांस ने दिया है।

रॉयटर्स के मुताबिक फ्रांस ने पेरिस एयर शो में उन हथियारों की प्रदर्शनी पर रोक लगा दी है, जिसका इस्तेमाल गाजा युद्ध में किया गया था। इजराइल फ्रांस के इस फैसले से नाराज है। रिपोर्ट के मुताबिक पेरिस के एयर शो में इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज, राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स, एल्बिट सिस्टम्स, यूविजन और एरोनॉटिक्स के जरिए इजराइल शक्ति प्रदर्शन कर रहा था।

इन कंपनियों ने उन हथियारों को सामने रखा था, जिसे गाजा में हमास को बर्बाद करने में इस्तेमाल किया गया था। कहा जा रहा है कि हथियारों के प्रदर्शनी को देखते हुए अचानक फ्रांस के अधिकारी एक्टिव हो गए। फ्रांस के अधिकारियों ने पहले हथियार के स्टैंड को ब्लैक दीवार से कवर कराया और फिर गाजा वाले हथियार को हटाने के लिए कहा। जिन हथियारों को ब्लॉक किया गया, उनमें हवा से जमीन पर मार करने वाले हथियार के साथ-साथ एल्बिट और ब्लूबर्ड एयरो सिस्टम्स शामिल हैं।

इजराइल ने इसे यहूदी विरोधी बताया

इजराइल से इस फैसले को यहूदी विरोधी बताया है। इजराइल का कहना है कि पहले जब इसको लेकर परमिशन दिया गया था, तब अचानक फ्रांस ने ऐसा क्यों किया? यह समझ से परे है।

वहीं फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने इस फैसले का बचाव किया है। विदेश मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि हम अपने देश में इस तरह के हथियारों को प्रदर्शित करने की इजाजत नहीं दे सकते हैं।

हथियार देने से भी किया था इनकार

एक हफ्ते पहले फ्रांस ने गाजा में ऑपरेशन चलाने के लिए इजराइल को मशीन गन-19 देने से इनकार कर दिया था। फ्रांस की कंपनी ने यह फैसला अपने मजदूर यूनियन के विरोध को देखते हुए लिया था।

फ्रांस यूरोप का पहला देश है, जो फिलिस्तीन को मान्यता देने की बात कही है। फ्रांस ने कहा है कि अगर हमास समझौता कर लेता है तो हम फिलिस्तीन को मान्यता देने पर काम करेंगे।

कितने पैसे थे? सभी रुपये कहां हैं? जस्टिस वर्मा के समर्थन में आए कपिल सिब्बल, सरकार से पूछे सवाल

नई दिल्ली। जस्टिस यशवंत वर्मा के कथित कैश कांड मामले को लेकर जांच की जा रही है। इसी बीच वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। कपिल सिब्बल जस्टिस वर्मा के समर्थन में खड़े नजर आए हैं। उन्होंने सरकार से लेकर पुलिस तक से सवाल पूछे हैं। सिब्बल ने पूछा, कितने पैसे थे?

कपिल सिब्बल ने कथित नकदी को लेकर पूछा है कि कितने नोट थे, असली थे या नकली थे, क्यों एक भी नोट बरामद नहीं हुआ, सभी रुपये कहां हैं? यह कहते हैं कि हम नहीं कहते हैं कि यह जस्टिस वर्मा का पैसा है, लेकिन अगर किसी ने वहां पैसा रखा तो जस्टिस की अनुमति से रखा होगा। कपिल सिब्बल ने आगे कहा, दिल्ली पुलिस ने अपनी ड्यूटी क्यों नहीं की, फायर विभाग ने क्या बरामद किया। दिल्ली पुलिस या फायर विभाग ने परिजनों को नोट के बारे में क्यों नहीं बताया।

कपिल सिब्बल ने सरकार को घेरा

कांग्रेस सांसद ने कहा, आपने बिना किसी जांच और प्रक्रिया के हाई कोर्ट के जज के खिलाफ फैसला ले लिया।

सबूत नहीं है"

जज की बात तक नहीं सुनी गई। यह बिल्कुल चौंकाने वाला है। सरकार को घेरते हुए कपिल सिब्बल ने कहा, जस्टिस यशवंत वर्मा के केस में सरकार की मंशा साफ जाहिर है।

उन्होंने आगे कहा, जिस जज के खिलाफ महाभियोग का मोशन मूव नहीं हुआ उसके बारे में किरेन रिजिजू कहते हैं कि जांच की रिपोर्ट संसद में रखेंगे और उन पर महाभियोग चलाएंगे। लेकिन, जस्टिस शेखर यादव जिसकी भाषा कितनी सांप्रदायिक थी, सब जानते हैं, उन पर अभी तक कोई महाभियोग कार्रवाई की शुरुआत तक नहीं हुई।

"पैसा मिला इसका कोई

जस्टिस वर्मा के घर मिली कथित नकदी के दिन का जिक्र करते हुए कपिल सिब्बल ने कहा, 14 मार्च की रात 12.30 बजे उनके घर आग लगी, वर्मा की बेटी और हाउस कीपर ने जब दरवाजा खोला तो आग भड़क उठी, न तो सीआरपीएफ ने कुछ किया, बल्कि उनकी बेटी ने ही फायर ब्रिगेड और पुलिस को कॉल किया। दिल्ली पुलिस आई, कोई एफआईआर नहीं हुई, कोई कार्रवाई नहीं की, उस समय नोट भी बरामद नहीं हुए, इस बीच न दिल्ली पुलिस, सीआरपीएफ और फायर विभाग ने परिवार को बताया कि यहां कैश मिला है।

बेटी ने पिता को कॉल किया जो मध्य प्रदेश में थे, बेटी ने पिता से 230 सेकंड यानी 4 मिनट बात की, मेन स्ट्रीम मीडिया ने कहा कि 15 करोड़ मिले, ये जानकारी कहा से आई, क्या कमिटी ने ये बताया? एक नोट भी मिल जाता तो उसके सीरियल नंबर से सोर्स पता चल जाता, लेकिन दिल्ली पुलिस या फायर विभाग ने अपना काम नहीं किया। कपिल सिब्बल ने दिल्ली पुलिस से सवाल पूछते हुए कहा, दिल्ली पुलिस किसको बचाने की कोशिश कर रही है। पैसा मिला इसका कोई सबूत नहीं है। वर्मा के घर में लॉकर की अलमारी थी जिसमें ताला लगा था लेकिन कैश खुला रखा था ?? ऐसे कैसे हो सकता है। एक हाई कोर्ट के जज के खिलाफ दुष्प्रचार हो रहा है, जिसका कोई सबूत या तथ्य नहीं मिला है। कमिटी पता ही नहीं लगा पाई की वहां कैश मिला है, कमिटी ने फायर विभाग से भी जानकारी नहीं ली।

सरकार के एक्शन पर उठाए सवाल

सरकार के क्लर्क या डिप्टी सेक्रेटरी पर भी जब कार्रवाई करनी होती है तब उसके खिलाफ आर्टिकल ऑफ चार्जेज बताए जाते हैं, सबूत और गवाह के आधार पर कार्रवाई होती है, लेकिन हाई कोर्ट के जज के खिलाफ सरकार ने बिना किसी प्रक्रिया के फैसला कर दिया। क्या हाई कोर्ट के जज का स्टेटस क्लर्क या डिप्टी सेक्रेटरी से भी कम है।

क्या है पूरा मामला

दिल्ली हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के आवास के एक स्टोर रूम में 14 मार्च को आग लगी थी, जहां पर कथित तौर पर उनके घर से बड़ी मात्रा में कैश मिला था। वहीं, जस्टिस यशवंत वर्मा का दावा है कि स्टोर रूम में उन्होंने या उनके परिवार वालों ने कभी कैश नहीं रखा और उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है।

आशा कार्यकर्ताओं व एएनएम को दिए डायरिया प्रबंधन के टिप्स

स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पीएसआई इंडिया व केनव्यू के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

दरभंगा (बिहार)। शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बहादुरपुर में आशा कार्यकर्ताओं, आशा फैसिलिटेटर और एएनएम को डायरिया प्रबंधन के जरूरी टिप्स दिए गए। पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से 227 आशा कार्यकर्ताओं, 11 आशा फैसिलिटेटर और 57 एएनएम को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डायरिया की शीघ्र पहचान, बचाव, नियंत्रण और डायरिया में ओआरएस घोल और जिंक की महत्ता के बारे में प्रशिक्षित किया गया। जिले में 16 जून से 31 जुलाई तक चलने वाले डायरिया रोको अभियान की गतिविधियों के बारे में भी सभी से चर्चा की गई। फ्रंट लाइन वर्कर समुदाय स्तर पर डायरिया के प्रति जागरूकता की अलख जगाने में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के आखिरी दिन मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ. अरुण कुमार एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) शैलेश चंद्रा ने डायरिया प्रबंधन के बारे में जरूरी निर्देश दिए। सिविल सर्जन ने कहा कि सभी एएनएम समय का अनुपालन करते हुए अपने कार्यों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों की मृत्यु का एक प्रमुख कारण दस्त है। समुदाय में व्यापक पैमाने पर इस बारे में जागरूकता और सही समय पर डायरिया की पहचान और जरूरी इलाज यानि ओआरएस का घोल और जिंक की सही मात्रा देकर बच्चे को सुरक्षित बनाया जा सकता है। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक ने सभी नवनियुक्त एएनएम का परिचय प्राप्त करते हुए,उन्हें प्रोग्राम में सम्पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ज्ञात हो कि पीएसआई इंडिया और केनव्यू के सहयोग से बिहार के तीन जिलों दरभंगा, सुपौल और पूर्णिया में 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम चलाया जा रहा है ।

इस दौरान पीएसआई इंडिया से संजय तरुण ने डायरिया की पहचान, प्राथमिक उपचार और बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हाथों की सही तरीके से स्वच्छता, ओआरएस एवं जिंक के साथ समय पर रोटा वायरस के टीकाकरण से इस बीमारी से बचा जा सकता है। इस मौके पर संस्थान के प्रभारी डॉ. तारिक मंजर, स्वास्थ्य प्रबंधक रेवती रमण प्रसाद, बीसीएम मनोज कुमार, पीएसआई इंडिया से अखिलेश कुमार और अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

डिटेक्टिव शेरदिल का ट्रेलर जारी, अनोखे जासूस की भूमिका में नजर आए दिलजीत दोसांझ

अभिनेता और गायक दिलजीत दोसांझ फिल्म 'डिटेक्टिव शेरदिल' में एक प्रतिभाशाली अन्वेषक की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। फिल्म के निर्माताओं ने इसका ट्रेलर जारी कर दिया है। फिल्म में डायना पेंटी, बोमन ईरानी, रत्ना पाठक शाह, चंकी पांडे, सुमीत व्यास, बनिता संधू, कश्मीरा ईरानी और अन्य जैसे शानदार कलाकार शामिल हैं।

ट्रेलर के अनुसार, वैश्विक आइकन दोसांझ को एक अरबपति व्यवसायी और उसके परिवार से जुड़े हत्या के मामले को सुलझाने का काम सौंपा गया है। डिटेक्टिव शेरदिल के निर्माताओं द्वारा साझा किए गए प्रेस नोट के अनुसार, फिल्म की कहानी एक तेजतर्रार अरबपति व्यवसायी (बोमन ईरानी द्वारा अभिनीत) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी बुडापेस्ट में जघन्य तरीके से हत्या कर दी गई थी।

इसके बाद ट्रेलर में दिलजीत दोसांझ को जासूस शेरदिल के रूप में पेश किया गया है, जो एक अपरंपरागत अन्वेषक है, जो हत्या के मामलों को सुलझाने में माहिर है। उसके साथ नताशा (डायना पेंटी) है, जो एक संतुलित और प्रतिभाशाली अन्वेषक है, जिसका दिमाग उतना ही तेज है जितना कि उसका व्यक्तित्व।

जैसे-जैसे दोनों पारिवारिक रहस्यों, विश्वासघात और अरबों डॉलर के इरादों के पेचीदा जाल में गहराई से उतरते हैं, मामला और भी पेचीदा और अप्रत्याशित होता जाता है, जैसा कि ट्रेलर में दिखाया गया है।

जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती है, धोखे का एक दिलचस्प खेल सामने आता है, जहां हर संदिग्ध के पास कोई न कोई रहस्य छिपा होता है, जो कहानी का रुख बदल देता है। इसका निर्देशन और संपादन रवि छाबड़िया ने किया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर ट्रेलर शेयर किया है। उन्होंने लिखा, कई संदिग्धों के साथ एक हत्या। और सबके दिलों को छू लेने वाली चाबी वाला एक शेर। क्या आप तैयार हैं?

डिटेक्टिव शेरदिल के निर्माताओं द्वारा साझा किए गए एक प्रेस नोट में कहा गया है कि, दिलजीत दोसांझ के साथ सहयोग करने पर, रवि छाबड़िया ने कहा, पहले दिन से ही, मुझे पता था कि हमें एक जासूस की आवश्यकता है जो आकर्षण, बुद्धि और थोड़ी सी शान के साथ संतुलन बना सके – और दिलजीत ने यह सब और उससे भी अधिक लाया। जिस तरह से उन्होंने चरित्र को जीवंत किया; और इसे एक नई ऊर्जा दी, जिसने हमारे विज़न को और अधिक वास्तविक बना दिया।

डिटेक्टिव शेरदिल का किरदार निभाने के बारे में दोसांझ ने कहा, डिटेक्टिव शेरदिल का किरदार निभाना मेरे लिए मजेदार रहा है। किरदार की विचित्रता और उसका रवैया कुछ ऐसा है जिसे मैंने अलग ढंग से निभाने की कोशिश की है। उम्मीद है कि दर्शक इस किरदार और फिल्म का आनंद लेंगे। फिल्म का प्रीमियर 20 जून 2025 को ज़ी5 पर होगा।

प्रभास की हॉरर-कॉमेडी फिल्म द राजा साब की प्री-टीजर जारी, आज जारी होगी फुल टीजर

प्रभास की फिल्म द राजा साब के टीजर का इंतजार अब खत्म हुआ। फिल्म निर्माताओं ने आज फिल्म का एक प्री-टीजर रिलीज किया। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म द राजा साब के पूरे टीजर को दिखाने का सही समय और तारीख की भी घोषणा की।

फिल्म निर्माताओं ने एक्स पर एक प्री-टीजर रिलीज किया और साथ ही यह जानकारी भी दी की कब और कितने बजे फिल्म का पूरा टीजर रिलीज किया जाएगा। निर्माताओं ने प्री-टीजर रिलीज के साथ एक्स पर लिखा, द राजा साब- यह एक वाइब से कहीं ज्यादा है... यह एक विद्रोही ऊर्जा है दराजासाबटीजर कल सुबह यानी 16 जदून को 10:52 बजे रिलीज किया जाएगा।

मारुति द्वारा निर्देशित हॉरर-कॉमेडी फिल्म द राजा साब एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसके प्री-टीजर में फिल्म की प्रमुख महिलाएं निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और ऋद्धि कुमार ऊपर की ओर देखती हुई दिखाई दे रही हैं, जो किसी चीज से चौंकी हुई दिखाई दे रही हैं। फिल्म के इस दिलचस्प प्री-टीजर ने प्रशंसकों का उत्साह फिल्म के लिए और अधिक बढ़ा दिया है।

पीपल मीडिया फैक्ट्री द्वारा समर्थित इस फिल्म में थमन ने संगीत दिया है। द राजा साब 5 दिसंबर, 2025 को कई भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में प्रभास के अलावा निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन, ऋद्धि कुमार, संजय दत्त और योगी बाबू जैसे कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

प्रभास हॉरर-कॉमेडी फिल्म द राजा साब के अलावा निर्देशक संदीप वांगा रेड्डी की स्पिरिट में भी नजर आएंगे। इसके अलावा प्रभास के पास कल्कि 2898 एडी 2 और सालार 2 जैसी फिल्में भी हैं।

मेरी गुनगुनाहट से ही ए.आर. रहमान ने बना लिया था पूरा गाना: जोनिता गांधी

प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी ने ऑस्कर और ग्रैमी विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान के साथ काम करने के अनुभव को के साथ साझा किया। सिंगर ने बताया कि एक बार उन्होंने रहमान के एक गाने के लिए रिकॉर्डिंग से पहले केवल रिहर्सल के तौर पर कुछ पंक्तियां गुनगुनाई थीं। लेकिन यह साधारण-सी गुनगुनाहट ही रहमान को इतनी पसंद आई कि उन्होंने उसी को असली गाने में शामिल कर लिया।

जोनिता गांधी ने से बात करते हुए बताया, मैंने उनके साथ कुछ ऐसे गाने पर काम किया है, जिन्हें पहले से ही किसी गायक ने गाया हुआ था। ऐसे में मुझे उन गानों में बस अपने अंदाज में गाना होता था। यह काम करने का सबसे सीधा तरीका होता है। लेकिन जब गाने को बनाने की बात आती थी, तो कुछ चीजें अव्यवस्थित होती थीं।

मजेदार किस्सा बताते हुए उन्होंने कहा, मुझे याद है कि जब फिल्म हाईवे का म्यूजिक रिलीज हो रहा था, तो उन्होंने कहां हूं मैं गाना गाया था। लेकिन बाद में जब एल्बम आई, तो मुझे पता चला कि एक और गाने में मेरा नाम दिया गया है, जबकि वह गाना मैंने गाया ही नहीं था।

जोनिता ने बताया कि इससे वह थोड़ी परेशान और उलझन में आ गईं। उन्हें लगता है कि कहीं गलती से उनका नाम तो नहीं जोड़ दिया गया या कोई गलतफहमी तो नहीं हुई।

जोनिता ने आगे कहा, जब मैंने एल्बम की लिस्ट देखी, तो उसमें एक और गाना था- इम्प्लोसिव साइलेंस, और उसमें सिंगर के तौर पर नाम जोनिता गांधी लिखा था। मैं हैरान रह गईं। मैंने टीम से कहा, यह मैं ही हूं, लेकिन मैंने यह गाना नहीं गाया है। मैंने सिर्फ कहां हूं मैं गाना रिकॉर्ड किया था। फिर टीम ने मुझे बताया कि इस गाने में उन्होंने मेरी आवाज का इस्तेमाल किया है, वह असल में उसी गाने की रिकॉर्डिंग से ली गई है जब मैं कहां हूं मैं की धुन सीख रही थी।

उन्होंने आगे बताया, मैं उस समय सिर्फ गुनगुना रही थी, लेकिन ए.आर. रहमान ने उसी रिकॉर्डिंग से एक नया गाना बना दिया। रहमान के साथ ऐसा अक्सर होता है, वह एकदम अचानक किसी चीज को लेकर कुछ भी बना सकते हैं। यही उनकी रचनात्मकता की खासियत है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com